NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 255 लखनऊ, शुक्रवार 08 मई 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

एनडीए के बिहार कैबिनेट में पुत्र उदय, नीतीश कुमार के बेटे निशांत समेत 3 पूर्व सीएम के लाल बने मंत्री

एजेंसी।

बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है, जिसमें सबसे बड़ा आकर्षण पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का मंत्री बनना रहा। इस नए मंत्रिमंडल में अब तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे शामिल हैं, जो बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का गुरुवार को पूर्ण विस्तार हुआ, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को मंत्री बनाया जाना प्रमुख आकर्षण रहा। चौधरी के मंत्रिमंडल में अब तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे शामिल हैं – नीतीश कुमार के बेटे निशांत, जगन्नाथ मिश्रा के बेटे नीतीश मिश्रा और जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन। तीनों ने गुरुवार को शपथ ली। एनडीए ने पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। हवाई अड्डे से समारोह स्थल जाते समय, सड़क के दोनों ओर

कतार में खड़े लोगों ने मोदी के वाहन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा सहित कई गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित थे। इंजीनियरिंग स्नातक निशांत कुमार, जो लंबे समय से सक्रिय राजनीति से दूर रहे हैं, ने जेडीयू नेतृत्व के लगातार आग्रह के बाद मंत्री पद की शपथ ली। खबरों के मुताबिक, निशांत कुमार ने शुरू में यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था, यह कहते हुए कि वे कोई भी औपचारिक पद स्वीकार करने से पहले एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपनी साख साबित करना चाहते हैं।243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और उसके 15 मंत्री हैं, जिन्होंने गुरुवार को शपथ ली। इनमें से अधिकतर वे मंत्री हैं जो पिछले साल नवंबर में एनडीए के विधानसभा चुनावों में शानदार वापसी के बाद नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल थे। जेडीयू के कुल 15 मंत्री हैं, जिनमें से 13 ने गुरुवार को गांधी मैदान में शपथ ली। विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सम्राट चौधरी के साथ अप्रैल में शपथ ली थी और उन्हें उपमुख्यमंत्री नामित किया गया था। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के संजय कुमार सिंह और संजय कुमार पासवान मंत्री पद पर वापस आ गए हैं, और इसी तरह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) और उपेंद्र कुशवाहा (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) के पुत्र संतोष कुमार सुमन और दीपक प्रकाश भी मंत्री पद पर वापस आ गए हैं।

असम का अगला सीएम कौन? पीएम मोदी की मौजूदगी में 12 मई को शपथ,

एजेंसी।

असम में अगले मुख्यमंत्री का चुनाव करने के लिए 10 मई को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसकी निगरानी केंद्रीय पर्यवेक्षक जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी करेंगे। इसके बाद 12 मई को गुवाहाटी में नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए असम के पुलिस महानिदेशक के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री मोदी नव निर्वाचित मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए असम आ रहे हैं। यह समारोह 12 मई को गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में आयोजित किया जाएगा। ग पर जारी एक बयान में मुख्य सचिव ने कहा कि यह समारोह 12 मई को खानपारा स्थित पशु चिकित्सा क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा और इसमें कई राज्यों के माननीय मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और उद्योग जगत के विशिष्ट प्रतिनिधि शामिल होंगे।उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की तैयारियों, प्रोटोकॉल और अंतर–विभागीय समन्वय से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सुचारू संचालन, निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन और सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। सभी संबंधित विभागों को उच्चतम स्तर की तैयारी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है ताकि समारोह

सुचारू रूप से, सुरक्षित रूप से और इस अवसर की महत्ता के अनुरूप संपन्न हो सके।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप सैकिया ने एएनआई को बताया कि पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की निगरानी के लिए 9 मई को गुवाहाटी पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि 10 मई को गुवाहाटी में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए की बैठक होगी जिसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहेंगे।इससे पहले, असम के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस्तीफा दे दिया था, जिससे पार्टी को मिले निर्णायक चुनावी जनादेश के बाद नए मंत्रिमंडल के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ। सरमा ने पुष्टि की कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी को असम के अगले मुख्यमंत्री के चयन की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पीएम मोदी बोले- आतंकवाद को पालने वाले तंत्र को नष्ट करने के लिए भारत आज भी अडिग

एजेंसी। दिल्ली।

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य और आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियान के एक वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद को हराने और उसे पोषित करने वाले तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प में पहले की तरह ही अडिग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को श्ऑपरेशन सिंदूरश के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य की सराहना की और आतंकवाद के विरुद्ध भारत के कड़े रुख को दोहराया। पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत न केवल आतंकवाद को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि उसे पोषित करने वाले पूरे तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प पर आज भी अडिग है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य और आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियान के एक वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि एक

साल बाद भी भारत आतंकवाद को हराने और उसे पोषित करने वाले तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प में पहले की तरह ही अडिग है।पीएम मोदी ने कहा कि एक साल पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेजोड़ साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने की हिमाकत करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया और पूरा देश भारतीय बलों के शौर्य को सलाम करता है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसने हमारे सशस्त्र बलों के पेशेवर रवैये, तैयारी और समन्वित शक्ति को उजागर किया।'' पीएम मोदी ने कहा कि साथ ही इस अभियान ने भारतीय सुरक्षा बलों के बीच बढ़ती एकजुटता को प्रदर्शित किया और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए किए गए प्रयासों से देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मिली मजबूती को रेखांकित किया। ऑपरेशन सिंदूर को तीनों रक्षा बलों द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ पश्चिमी सीमा पर सात से 10 मई, 2025 तक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए अंजाम दिया गया था।

सीएम योगी बोले- योग्य की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाता है, तो पूरे सिस्टम को खोखला कर देता है

संवाददाता।

लखनऊ मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकारी भर्तियां अब पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित हो गई हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार और सिफारिश की राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि घूसखोर व्यवस्था को खोखला कर देते हैं। सरकार ने नौ लाख से अधिक युवाओं को निष्पक्ष तरीके से नौकरी देकर नए रोजगार रिकॉर्ड बनाए हैं। उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीक आधारित बनाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर लोकभवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मिशन रोजगार" के अंतर्गत प्रदेश सरकार लगातार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। अब तक 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। पूरी प्रक्रिया में किसी को कहीं भी सिफारिश कराने की नौबत नहीं आई। परीक्षा के बाद भी किसी स्तर पर सिफारिश या अनैतिक साधनों का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी। इसी साफ नीयत और स्पष्ट नीति का परिणाम है कि आज आपको नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले भर्तियां पैसों, जाति, मत, मजहब और क्षेत्र देखकर होती थीं, जिससे योग्य नौजवानों का शोषण होता था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में

योग्यता ही चयन का आधार बनी है। किसी योग्य अभ्यर्थी की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाता, तो वह अगले 30–35 वर्षों तक पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता। इसलिए सरकार ने पहले दिन से ही भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और लीकेज की संभावनाओं को समाप्त करने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जवाबदेही, तकनीक और पारदर्शिता के कारण आज यूपी देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है। 15 दिनों के अंदर चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में सरकार ने नियुक्ति पत्र वितरण के नए–नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कोई सोच भी नहीं सकता था कि यूपी के नौजवानों को निष्पक्ष, पारदर्शी व सहज प्रक्रिया से सरकारी नौकरियां मिल पाएंगी। हमने अलग–अलग आयोगों व बोर्डों को जवाबदेही सौंपी और तकनीक का उपयोग कर हर योग्य नौजवान के साथ न्याय सुनिश्चित किया। इसी का परिणाम है कि हमने 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराए हैं। पिछले 15 दिनों के अंदर यह हमारा चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। यूपी को बना दिया गया था भ्रष्ट–गुंडा–अराजक प्रदेशमुख्यमंत्री ने कहा कि याद कीजिए 2017 से पहले का उत्तर प्रदेश। देश–दुनिया में लोग यूपी का नाम सुनते ही शक की निगाह से देखते थे, दस कदम पीछे हट जाते थे। उत्तर प्रदेश को भ्रष्ट, गुंडा और अराजक प्रदेश बनाकर हर यूपीवासी के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन, मुझे बेहद प्रसन्नता है कि अब आप कहीं भी जाएं, यूपी का नाम सुनते ही सामने वाले का चेहरा चमक उठता है, वह स्वागत के लिए उत्सुक दिखाई देता है। यह है परसेप्शन का बदलाव और परिणाम भी उसी के अनुरूप हैं।

प्रति व्यक्ति आय, वार्षिक बजट व अर्थव्यवस्था को तीन गुना कियामुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, वार्षिक बजट व समग्र अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त की है। यूपी अब रेवेन्यू सरप्लस राज्य और देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। यह सबसे ज्यादा नियुक्ति पत्र देने वाला, सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे बनाने वाला, किसानों को सर्वाधिक प्रोत्साहन देने वाला और समाज के हर वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने वाला प्रदेश बन गया है।96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगारमुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले एमएसएमई क्षेत्र लगभग बंद पड़ा था, कोई प्रोत्साहन नहीं था, चारों तरफ अव्यवस्था और हताशा थी।

देहरादून में सुभारती ललित कला विभाग की ओर से पंचम कला प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ

विजडम इंडिया।

देहरादून। कला प्रेमियों के लिए एक विशेष अवसर लेकर आई है "कला वर्षा 2026" वार्षिक कला प्रदर्शनी, जो चित्रा इंटरनेशनल आर्ट गैलरी, बल्लूपुर में दिनांक 7 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित होगी, जिसका उद्घाटन आज दिनांक 7 मई को उत्तराखंड के प्रसिद्ध

फोटोग्राफर श्री राजू पुषोला जी के हाथों किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का सम्मान सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. देश दीपक, डीन डॉ. रीता तिवारी तथा विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार जी ने पताका, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया।

यह पाँचवीं वार्षिक कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" युवा एवं उभरते कलाकारों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक भव्य मंच सिद्ध होगी।

इस भव्य आयोजन का संयोजन डॉ. मुक्ति भटनागर, सुभारती स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एण्ड फैशन डिजाइन द्वारा किया जा रहा है, जो रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून से संबद्ध है।

यह प्रदर्शनी स्वर्गीय संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर को समर्पित है।

मुख्य अतिथि श्री राजू पुषोला जी ने अपने संदेश में कहा कि "कला वर्षा 2026" सुभारती फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों के सृजनात्मक विकास हेतु एक उत्कृष्ट मंच है। प्रदर्शनी देखने के पश्चात उन्होंने संदेश दिया कि बी.एफ.ए. एवं एम.एफ.ए. की कक्षाओं में इस प्रकार का कार्य अत्यंत उत्कृष्ट है। उन्होंने बी.एफ.ए. और एम.एफ.ए. के विद्यार्थियों तथा उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने वाले प्राध्यापकों को हृदय से प्रोत्साहित करते हुए कहा, "आप सभी का यह सृजनात्मक योगदान प्रेरणादायी है। ऐसे प्रयासों को निरंतर जारी रखें, ताकि कला शिक्षा का मानक और अधिक ऊँचा हो सके।"

सुभारती यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ अतुल कृष्णा ने अपने एक संदेश में कहा ष्कला वर्षाष प्रदर्शनी से बच्चों में कलात्मकता और सृजनशीलता का विकास होगा।

वहीं सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. देश दीपक ने हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए "कला वर्षा 2026" को कला के प्रचार.प्रसार के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण आयोजन बताया। बी.एफ.ए. एवं एम.एफ.ए. के विद्यार्थियों तथा उन्हें प्रेरित करने वाले प्राध्यापकों को उत्साहजनक संदेश देते हुए उन्होंने कहा, "यह प्रदर्शनी आपकी कलात्मक ऊर्जा का जीवंत प्रमाण है। ऐसे सृजनात्मक प्रयासों को सतत गति दें, जिससे कला का प्रकाश समाज तक फैले तथा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बने।"

"कला वर्षा 2026" में आगंतुकों को विविध रंगों, विचारों एवं अभिव्यक्तियों की अनुपम झलक देखने को मिलेगी। पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में कला प्रेमियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं प्रतिष्ठित कलाकारों के आगमन की संभावना है, जिससे यह आयोजन नगर के प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षणों में सम्मिलित होगा।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक हैंरू स्वर्णयुग डिजाइन कंसल्ट, देहरादूनय एलिफेंटा कलर्सय सवारिया स्टेशनरी स्टोर, देहरादूनय तथा कथकल्या अकादमी, देहरादून।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के असिस्टेंट डायरेक्टर अकैडेमिक श्रीमती अवनि कमल, असिस्टेन्ट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. लोकेश त्यागी (जी.बी.सी.एम.) , रजिस्ट्रार श्री खालिद हसन, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पी.के. शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविन्द्र प्रताप, अकैडेमिक डीन डॉ. मनमोहन गुप्ता, स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एण्ड फैशन डिजाइन की प्राचार्या ललित कला विभाग के हेड ऑफ डिपार्टमेंट सहित विभाग के सम्मानित प्राध्यापकगण श्रीमती गीतिका, श्री अयुष, श्री मनोज, श्री नमन, श्री दीपक, श्री अंकुश, श्रीमती शैफाली, श्रीमती ऊर्वशी, डॉ. मनु गुप्ता, श्री शा रुख आदि उपस्थित रहे।

शराब पार्टी के बहाने बुलाकर युवक की हत्या, सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में युवक की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शराब और मुर्गा पार्टी के बहाने युवक को सुनसान मैदान में बुलाकर उसकी कनपटी पर तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मृतक के मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा और मृतक के मोबाइल फोन बरामद कर लिये हैं।पुलिस के अनुसार 06 मई 2026 को वादी जितेन्द्र कुमार यादव निवासी रेवतापुर सकूरपुर थाना पीजीआई ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में तहरीर देकर अपने भाई सचिन यादव की हत्या तथा परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। इस संबंध में थाना सुशांत गोल्फ सिटी पर मुकदमा संख्या 0288ध्2026 धारा 103(1), 3(5), 351(3) बीएनएस के तहत अभियोग दर्ज किया गया।घटना के खुलासे के लिए थाना स्तर पर चार पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा सर्विलांस सेल को भी जांच में लगाया गया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि 05 मई को अवध विहार योजना सेक्टर–8 स्थित खाली मैदान में मिली सचिन यादव की लाश के मामले में कमल यादव और संतोष यादव संदिग्ध हैं। दोनों को घटना से पहले मृतक के साथ शराब और मुर्गा पार्टी करते हुए देखा गया था।

इसके बाद पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल इनपुट के आधार पर संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को सेक्टर–8 अवध विहार योजना से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम कमल सिंह यादव उर्फ टिंकू निवासी देवामऊ थाना सुशांत गोल्फ सिटी तथा संतोष कुमार यादव निवासी धावाहार थाना सुशांत गोल्फ सिटी बताया।पुलिस पूछताछ में आरोपी कमल सिंह यादव ने हत्या की पूरी साजिश का खुलासा करते हुए बताया कि भट्ठा चौराहे पर अंग्रेजी शराब की दुकान के पास उसके रिश्तेदार संतोष कुमार यादव ने गुटखा, सिगरेट और पानी की गुमटी लगा रखी थी। आरोप है कि सचिन यादव अक्सर सामान लेकर पैसे नहीं देता था और पैसे मांगने पर धमकाता था। इतना ही नहीं वह ग्राहकों को भी दुकान पर आने से रोकता था, जिससे संतोष को आर्थिक नुकसान हुआ और अंततः उसे अपनी गुमटी बंद करनी पड़ी।इसी रंजिश में दोनों आरोपियों ने सचिन यादव की हत्या की योजना बनाई। योजना के तहत 03 मई को अंग्रेजी शराब ठेके के पीछे खाली स्थान पर शराब और मुर्गा पार्टी रखी गई, जिसमें सचिन यादव को भी बुलाया गया। पार्टी के दौरान आरोपियों ने सचिन को अधिक शराब पिलाई। जब वह नशे में हो गया तो दोनों उसे अवध विहार योजना सेक्टर–8 स्थित सुनसान मैदान में ले गए। वहां कमल ने पेशाब करने का बहाना किया जबकि संतोष ने सचिन को पकड़ लिया। इसके बाद कमल ने तमंचे से सचिन की कनपटी पर गोली मार दी।हत्या के बाद आरोपी सचिन को मृत समझकर मौके पर छोड़ गए और उसके दोनों मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। बाद में हत्या में प्रयुक्त तमंचे को बसेरा–2 के सामने सूखी पत्तियों के नीचे छिपा दिया तथा मोबाइल फोन नाली में फेंक दिए। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस तथा मृतक के दो मोबाइल फोन बरामद कर लिए।पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमे में धारा 3ध25ध27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

16 दिन से गायब किशोरी की प्रेमी ने की हत्या

नहर के पास झाड़ियों में मिली लाश, आशिक सहित दो गिरफ्तार

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक 17 साल की किशोरी का शव नहर किनारे बरामद हुआ। किशोरी सराय इनायत थाना क्षेत्र से लापता हुई थी। परिजनों ने पहले ही एक युवक और उसकी साथी पर किशोरी को बहला–फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया था। शव मिलने के बाद अब हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की गहन जांच में जुटी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सराय इनायत थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव निवासी लक्ष्मी नारायण पाल की पत्नी सुनीता पाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उनकी बेटी खुशी (17) को बहरिया थानाक्षेत्र के जलालपुर गांव का एक युवक अस्मित वर्मा अपनी साथी रिया के साथ 20 अप्रैल की सुबह करीब 7रू30 बजे घर से बहला–फुसलाकर ले गया था। परिजनों के अनुसार किशोरी घर से लगभग 2000 रुपए नकद और लाखों रुपए के सोने–चांदी के गहने भी साथ ले गई थी। इन गहनों में सोने की चेन, अंगूठियां, झुमके, मनचली तथा चांदी के करधन, छागल, हाफ पेटी और पायल शामिल थे।बुधवार यानी 6 मई की रात सराय इनायत पुलिस ने आरोपितों को पकड़ लिया। थाने लाकर पूछताछ की। युवक ने बताया कि किशोरी की हत्या कर दी गई है। हरखपुर गांव स्थित शारदा सहायक नहर के बगल झाड़ी से लाश को फेंका गया है। इस पर पुलिसकर्मी हतप्रभ रह गए।आज गुरुवार यानी 7 मई की सुबह किशोर को मऊआइमा ले जाया गया और फिर उसकी निशानदेही पर झाड़ी से किशोरी की लाश बरामद कर ली गई। पुलिस ने आरोपित से पूछा तो उसने बताया कि किशोरी से उसका प्रेम संबंध था। लगातार वह शादी का दबाव बना रही थी। आरोपितों ने बताया कि 20 अप्रैल को उसे लेकर शहर गया था। एक दिन बाद परिवार से मिलवाने की बात कहकर उसे बहरिया चलने को बोला गया। शाम को उसे लेकर निकला और जैसे ही अंधेरा हुआ शारदा सहायक नहर के पास उसकी हत्या कर दी। हालांकि पुलिस को अभी उसके इस बयान पर पूरा यकीन नहीं है।

घर में फंदे पर लटका मिला युवक का शव

परिजनों ने हत्या का आरोप लगा हंगामा किया

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के भगेसर गांव में बुधवार रात एक युवक का शव अपने घर में फंदे से लटका मिला। युवक एक शादी समारोह से लौटा था। परिजनों ने उसे तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रेफर किया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उन्होंने कार्रवाई की मांग करते हुए शव उठाने से इनकार कर दिया। पुलिस ने काफी देर तक परिजनों को समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद रात करीब 12रू30 बजे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरांव थाना क्षेत्र के भगेसर गांव निवासी 23 वर्षीय रमेश कुमार तिवारी पुत्र राधाकांत तिवारी मुंबई में ऑटो चलाने का काम करता था और लगभग एक सप्ताह पहले अपने मामा के गांव दर्शनी में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर आया था। बुधवार को परिवार के अन्य सदस्य दर्शनी गांव गए हुए थे। रमेश अपनी मां से कुछ देर में लौटने की बात कहकर घर आया था। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो मां ने उसे फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। परिजनों के घर पहुंचने पर रमेश घर के गलियारे में छत के कुंडे से रस्सी के सहारे लटका मिला। मृतक की मां और भाई ने गांव की एक महिला सहित दो अन्य लोगों पर रमेश की हत्या का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए लखनऊ पुलिस और डीएलएसए का संयुक्त अभियान शुरू, पीआरवी वाहनों को दिखाई गई हरी झंडी

लखनऊ, (आरएनएस)। आमजन को राष्ट्रीय लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता एवं न्यायिक सेवाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर में लखनऊ पुलिस और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के संयुक्त तत्वावधान में विशेष फ्लैग–ऑफ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से शहर से लेकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता अभियान चलाने की शुरुआत की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह ने पीआरवी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पीआरवी (च्वसपबम त्मेचवदेम टमीपबसमे) को रवाना किया गया, जो शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर राष्ट्रीय लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं तथा न्यायिक सेवाओं के संबंध में लोगों को जागरूक करेंगी।कार्यक्रम में बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मामलों का त्वरित, सरल और कम खर्च में निस्तारण संभव है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक लोक अदालत की उपयोगिता और निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है, ताकि आमजन आसानी से न्याय प्राप्त कर सकें।इस दौरान नागरिकों को बैंक ऋण विवाद, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम विवाद, विद्युत एवं जल बिल से जुड़े मामलों सहित अन्य प्रकरणों के समाधान के लिए लोक अदालत की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि लोक अदालतें लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण का प्रभावी माध्यम बन रही हैं और इससे न्यायालयों पर भार कम होने के साथ ही लोगों को शीघ्र राहत मिलती है।फ्लैग–ऑफ कार्यक्रम के बाद रवाना की गई पीआरवी टीमों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों, मलिन बस्तियों और दूरस्थ इलाकों में व्यापक विधिक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पुलिस और डीएलएसए की संयुक्त टीमें घर–घर संपर्क, पंपलेट वितरण, जनसंवाद और सार्वजनिक उद्घोषणाओं के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी देंगी।विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, श्रमिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं, हेल्पलाइन सेवाओं और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि समाज का प्रत्येक वर्ग सरल और सुलभ न्याय व्यवस्था का लाभ प्राप्त कर सके।अधिकारियों ने कहा कि यह संयुक्त अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्यायिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य केवल कानूनी जानकारी देना ही नहीं, बल्कि नागरिकों में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ाना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना भी है।कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी प्रकाश तिवारी, सिविल जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुंवर मित्रेश सिंह कुशवाहा तथा एडीसीपी (क्राइम) एवं लोक अदालत की नोडल अधिकारी किरन यादव सहित न्यायिक एवं पुलिस विभाग के कई अधिकारी उपस्थित रहे।एडीसीपी (क्राइम) किरन यादव ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से आमजन को त्वरित, सरल और सुलभ न्याय उपलब्ध कराया जा सकता है।

मेडिकल कालेज में महिला जूनियर डाक्टरों से रैगिंग

पिटाई व टार्चर का आरोप, कश्लेज प्रशासन ने किया इंकार

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से महिला जूनियर डाक्टरों की रैगिंग से जुड़ा एक कथित वीडियो बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो का दैनिक लोकमित्र समाचार पत्र पुष्टि नहीं करता। करीब 58 सेकंड के इस वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टरों के साथ रैगिंग और उत्पीड़न किया जा रहा है। वीडियो में कुछ छात्राएं दिखाई दे रही हैं और कथित तौर पर जूनियर डॉक्टरों के साथ मारपीट व मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने ऐसे किसी भी मामले की जानकारी और शिकायत मिलने की बात से साफ इनकार किया है।वायरल वीडियो में दो सीनियर छात्राएं और कई जूनियर छात्राएं नजर आ रही हैं। वीडियो बनाने वाली छात्रा का चेहरा दिखाई नहीं देता, लेकिन उसकी आवाज साफ सुनाई पड़ती है। वह कहती है कि उसने यह वीडियो इसलिए बनाया है ताकि उसके पास इस बात का सबूत रहे कि उसके साथ मारपीट की गई है। वीडियो में सामने खड़ी दो छात्राएं भी मोबाइल से रिकॉर्डिंग करती दिखाई देती हैं। वीडियो में कुछ दूरी पर कुछ जूनियर छात्राएं सिर झुकाकर खड़ी नजर आती हैं। वीडियो के साथ वायरल किए जा रहे दावों में आरोप लगाया गया है कि मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टरों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। आरोप है कि रात में उनके मोबाइल फोन छीन लिए जाते हैं ताकि वे किसी से शिकायत न कर सकें।

अखिलेश यादव के आरोपों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का पलटवार, बोले- जनता ने सपा को नकारा इसलिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर उठा रहे सवाल

लखनऊ(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि सपा प्रमुख के बयान पूरी तरह हताशा, निराशा और राजनीतिक पराजय की कुंठा का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा लगातार नकारे जाने के बाद समाजवादी पार्टी अब लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है।पंकज चौधरी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे मजबूत और पारदर्शी लोकतंत्र है, जिसकी निष्पक्षता पर न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया भरोसा करती है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाओं के नियंत्रण में संचालित होती है। ऐसे में चुनाव आयोग, केंद्रीय बलों और न्यायपालिका पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ–साथ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास भी है।न्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को यह समझना चाहिए कि उसकी हार का मुख्य कारण जनता का उससे मोहभंग है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव को लेकर अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों को उन्होंने पूरी तरह निराधार बताया। पंकज चौधरी ने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी के पास कोई ठोस प्रमाण होता तो वह न्यायालय या चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत करती, लेकिन बार–बार एक ही प्रकार के आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश करना सपा की पुरानी राजनीतिक शैली बन चुकी है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने कानून–व्यवस्था, विकास और सुशासन के मुद्दों पर भाजपा को स्पष्ट जनादेश दिया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।पश्चिम बंगाल के संदर्भ में दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि जहां–जहां विपक्षी दल सत्ता में हैं, वहां लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के कई उदाहरण सामने आते रहे हैं, जबकि भाजपा ने हमेशा संवैधानिक मर्यादाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी का इतिहास अराजकता, परिवारवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा रहा है, इसलिए उन्हें हर जगह वही दिखाई देता है।उन्होंने कहा कि भाजपा पर "वोट लूट" और "मनगणना" जैसे आरोप लगाना हास्यास्पद है। भाजपा "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र पर चलते हुए जनता का विश्वास जीत रही है और लगातार चुनावों में सफलता प्राप्त कर रही है।पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी के "पीडीए" अभियान पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक नारा है, जिसका जमीनी स्तर पर कोई प्रभाव नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता अब जाति और वर्ग की राजनीति से ऊपर उठ चुकी है तथा विकास, सुरक्षा और सुशासन को प्राथमिकता देती है। यही कारण है कि लोकसभा चुनाव में भी जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया।उन्होंने समाजवादी पार्टी के शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में गुंडाराज, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण चरम पर था। महिलाओं की सुरक्षा बड़ा मुद्दा थी और आम नागरिक भय के माहौल में जीवन जीने को मजबूर था। इसके विपरीत भाजपा सरकार में कानून–व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार हुआ है और प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है।केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाएं कानून के दायरे में कार्य करती हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, वही इन एजेंसियों पर सवाल उठाते हैं। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।अंत में पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी को झूठे आरोप लगाने और भ्रम फैलाने की राजनीति छोड़कर जनता के मुद्दों पर सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए।

मकान सूचीकरण जनगणना-2027 का हुआ शुभारंभ

7 मई से 21 मई तक नागरिक स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी भरके जनगणना आईडी प्राप्त कर सकते हैं

प्रयागराज। जनपद में मकान सूचीकरण जनगणना–2027 का गुरूवार से प्रारम्भ हुआ। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पोर्टल पर आवास की स्वगणना कर आईडी नंबर प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से लोग स्वयं ही जनगणना पोर्टल पर अपने मकान की जनगणना कर सकते है। उन्होंने बताया कि इस बार की जनगणना पारंपरिक कागजी कार्यवाही के बजाय पूरी तरह डिजिटल होगी। प्रशासन ने इस बार नागरिकों को स्वगणना का विकल्प दिया गया है, जिससे लोग खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे।जनगणना के पहले चरण को दो मुख्य हिस्सों में बांटा गया है। 7 मई से 21 मई तक नागरिक स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी भर सकते हैं। इसके बाद, 22 मई से 20 जून तक गणनाकर्मी घर–घर जाकर डेटा का सत्यापन और मकान सूचीकरण करेंगे। स्वगणना के लिए नागरिक पोर्टल पर जाकर स्वप्रेरणा से अपनी स्वजनगणना कर सकते हैं। इसमें राज्य का चयन, मोबाइल नंबर और ईमेल से पंजीकरण शामिल है। ओटीपी सत्यापन के बाद भाषा और जिले का चयन करना होगा। इसके बाद मैप पर अपने घर की सटीक लोकेशन मार्क करनी होगी और मकान व परिवार से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। फॉर्म सबमिट करने पर एक 11 अंकों की स्वगणना आईडी प्राप्त होगी, जिसे क्षेत्र प्रगणक को उपलब्ध कराकर अपनी जनगणना पूर्ण करनी है। इस अवसर पर नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जनगणना अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

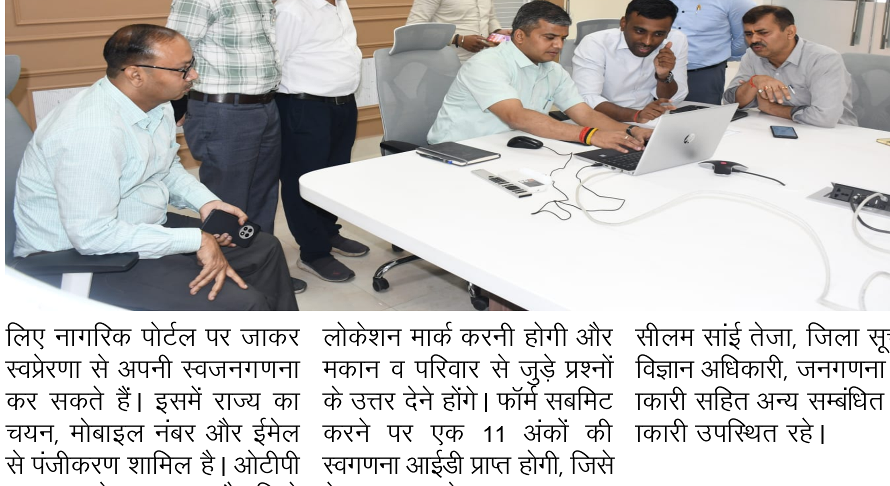

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह सख्त, बोले- 20 नवम्बर तक हर हाल में पूरी हों परियोजनाएं, लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि स्वीकृत पर्यटन एवं सांस्कृतिक परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर 20 मई 2026 तक स्वीकृति पत्र जारी किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी वर्ष को देखते हुए सभी निर्माणाधीन परियोजनाएं 20 नवम्बर 2026 तक हर हाल में पूरी कर लोकार्पण के लिए तैयार की जाएं।पर्यटन भवन में आयोजित पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने कार्यों में लापरवाही और फाइलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने की प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि "फाइलों को लटकाने और भटकाने की संस्कृति" अब स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों तथा कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।जयवीर सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वे गुमराह करने की आदत छोड़ें और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ करें। उन्होंने कहा कि नवंबर तक परियोजनाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देना चाहिए ताकि समय रहते जनता को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।बैठक के दौरान मंत्री ने कुछ जनपदों द्वारा निर्माण कार्यों की गलत प्रगति रिपोर्ट देने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अब मुख्यालय से अधिकारियों की विशेष टीमें फोटोग्राफरों के साथ स्थलीय निरीक्षण करेंगी और मौके पर जाकर कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय अधिकारी केवल पत्राचार तक सीमित न रहें, बल्कि कार्यशैली में बदलाव का परिणाम जमीन पर दिखाई देना चाहिए।पर्यटन मंत्री ने मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी और वृहद परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित कार्यदायी संस्था और अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

यूपीआरटीओयू में प्रबंधन गुरुओं का जमावड़ा आज

जीएसटी सुधारों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए संगोष्ठी होगी आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार द्वारा जीएसटी 2.0 सुधारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार 8 मई को विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य जीएसटी सुधारों के सामाजिक आर्थिक प्रभावों, नीति निर्माण और शैक्षणिक विमर्श को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक प्रोफेसर देवेश रंजन त्रिपाठी ने बताया कि उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, इग्नू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव, विशिष्ट अतिथि उपायुक्त, जीएसटी, लखनऊ दिव्येंदु शेखर गौतम तथा मुख्य वक्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता के निदेशक प्रोफेसर आलोक कुमार राय होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। प्रोफेसर देवेश ने बताया कि राष्ट्रीय सेमिनार के छह तकनीकी सत्रों में देशभर से 520 प्रतिभागी शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। इन 6 तकनीकी सत्रों में प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर लवकुश मिश्रा, प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार, सीए सुमित अग्रवाल, डॉ नीरज शुक्ला, डॉ एस टी जोसेफ डॉ रेजिना जॉन, प्रोफेसर मानस पांडेय, डॉ ए सी पांडेय, डॉ अंजनी कुमार, प्रोफेसर विनोद कुमार पांडेय, डॉ ऋचा सिन्हा, डॉ हिमांशु कुमार पांडेय, प्रोफेसर माधवेंद्र मिश्रा, डॉ प्रदीप कुमार सिंह, राहुल चटर्जी, डॉ अवधेश कुमार गुप्ता, डॉ श्रुतिका मिश्रा, डॉ अभय पांडेय, डॉ सुधीर शर्मा तथा डॉ बी बी अग्रवाल संगोष्ठी में अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त करेंगे।विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र मिश्र ने बताया कि यह पहल देश के जीएसटी सुधारों को समझने, क्रियान्वित करने और उनके प्रभावों का विश्लेषण कर आवश्यक सुझावों को एकत्रित कर नीति निर्माताओं के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के एकमात्र अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर फार्च्यूनर और एंबुलेंस की टक्कर, एक की मौत

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को फॉर्च्यूनर और एंबुलेंस की आमने–सामने हुई भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए हादसा कूरेभार थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 143 के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन तेज रफ्तार में थे जिसके चलते टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए, हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पीटीओ शैलेंद्र तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए अपने सरकारी वाहन से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कूरेभार पहुंचाया जहां उनका उपचार शुरू कराया गया।

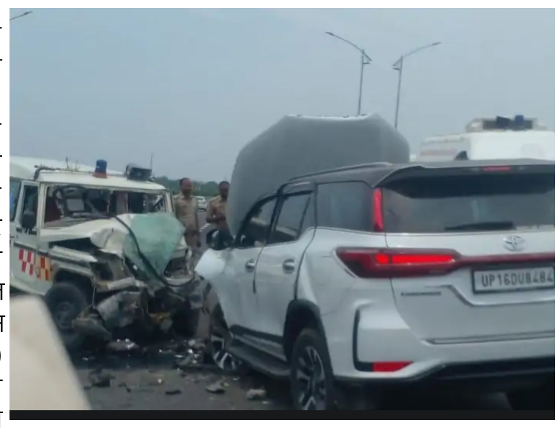

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है पीटीओ शैलेंद्र तिवारी द्वारा किए गए सराहनीय कार्य की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की है।

जमीन पर कब्जे की कोशिश, शिकायतों के बाद भी प्रशासन मौन

दबंगों के हौसले बुलंद

सुलतानपुर। जमीन कब्जाने के आरोपों का एक मामला सामने आया है, जहां एक महिला लगातार प्रशासन के चक्कर काट रही है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। सवाल यह है कि आखिर शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कब जागेंगे? लक्ष्मणपुर निवासी बिंदु सिंह पत्नी कमलभान सिंह ने उपजिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनके पति द्वारा वर्ष 1990 में खरीदी गई जमीन पर 1992–94 में मकान बनवाया गया था और परिवार वर्षों से वहां रह रहा है। इसके बावजूद कुछ लोग अब जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़िता का आरोप है कि 1 अप्रैल 2026 को दबंग मौके पर पहुंचे और जबरन कब्जे का प्रयास किया। विरोध करने पर धमकी भी दी गई। लेकिन हैरानी की बात यह है कि शिकायत के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वर्षों पुराने मकान और स्पष्ट बैनामा होने के बाद भी कोई परिवार सुरक्षित नहीं है, तो आम आदमी आखिर न्याय की उम्मीद किससे करे? प्रशासन की चुप्पी कहीं न कहीं दबंगों के हौसले बढ़ाने का काम कर रही है। सही है कि सरकारी फाइलों में तत्काल कार्रवाई के दावे जरूर दर्ज होते हैं, लेकिन जमीन पर पीड़ित आज भी न्याय के इंतजार में खड़ा दिखाई देता है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह संदेश जाएगा कि शिकायत करने से ज्यादा ताकत कब्जा करने वालों की चलती है।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार , दूसरा फरार

जौनपुर । जिले में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक हिस्ट्रीशीटर रुस्तम घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। , उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। रुस्तम पर जौनपुर और आजमगढ़ में लूट, चोरी और हत्या के प्रयास सहित एक दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं।यह घटना गुरुवार रात बरसठी और रामपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई। पुलिस के अनुसार बरसठी थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव और रामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार अपनी टीम के साथ परियत तिराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे।इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बिना नंबर प्लेट की काले रंग की सुपर स्प्लेंडर बाइक पर दो संदिग्ध युवक आलमगंज की तरफ से आ रहे हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने महमूदपुर बैरी पट्टी तिराहे पर घेराबंदी कर दी। संदिग्ध बाइक मौके पर पहुंची, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।मुठभेड़ के दौरान बाइक चला रहा बदमाश गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा, जबकि उसका दूसरा साथी झाड़ियों के रास्ते भाग निकला। घायल बदमाश की पहचान सहाबुद्दीनपुर, थाना गौराबादशाहपुर निवासी रुस्तम पुत्र मुस्लिम के रूप में हुई।पुलिस ने घायल रुस्तम के कब्जे से एक 32 बोर का देशी तमंचा, दो जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की सुपर स्प्लेंडर बाइक बरामद की। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी रुस्तम पर जौनपुर और आजमगढ़ के कई थानों में लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

यातायात व्यवस्था का एसपी ने लिया जायजा

जौनपुर। जनपद में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह ने नगर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण, पार्किंग और आमजन की सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने जेसीस चौराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा, वाजिदपुर तिराहा सहित अन्य प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। उन्होंने सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों, अवैध पार्किंग और यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही यातायात पुलिस और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को चौराहों पर यातायात संचालन और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निर्देशित किया। विशेष रूप से स्कूल, बाजार और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा, ताकि आमजन को जाम की समस्या से राहत मिल सके। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने रोडवेज परिसर का भी दौरा किया, जहां रोडवेज के एआरएम के साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई।इस दौरान यात्रियों की सुविधा, बसों के आवागमन, पार्किंग व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। एसएसपी ने रोडवेज परिसर में अवैध वाहन पार्किंग और अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए समन्वय बनाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कहा कि जनपद में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के भी निर्देश दिए।

9 मई को होगा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह का भव्य आयोजन

जय प्रकाश मिश्रा विजडम इंडिया जिला संवाददाता महराजगंज जौनपुर

अखंड राजपूताना सेवा संघ की ओर से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह 2026 का भव्य आयोजन 9 मई, शनिवार को किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों के शामिल होने की संभावना है।आयोजकों द्वारा जारी निमंत्रण पत्र के अनुसार कार्यक्रम सुबह 7रू00 बजे मंडल कार्यालय, लोहिंदा चौराहा, महाराजगंज, बदलापुर, जौनपुर से प्रारंभ होगा। आयोजन का उद्देश्य महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के संदेश को जन–जन तक पहुंचाना है।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ठाकुर आर. पी. सिंह 'दुर्गवंश' (राष्ट्रीय अध्यक्ष) उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण सिंह (जिला अध्यक्ष, जौनपुर), नीरज सिंह (पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा) तथा पत्रकार राजकुमार सिंह शामिल होंगे।आयोजकों

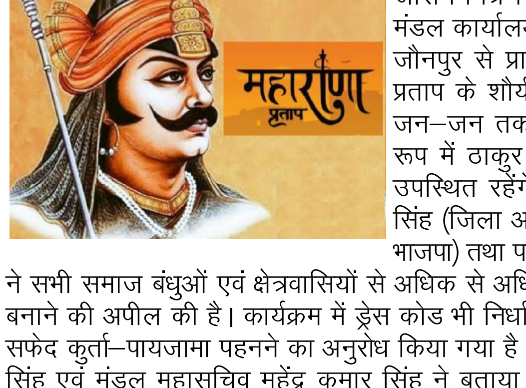

ने सभी समाज बंधुओं एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम में ड्रेस कोड भी निर्धारित किया गया है, जिसमें केसरिया अथवा सफेद कुर्ता–पायजामा पहनने का अनुरोध किया गया है।कार्यक्रम के संयोजक अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह एवं मंडल महासचिव महेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह आयोजन समाज में एकता, गौरव और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस मौके पर उपस्थित रहेंगे ब्राह्मण संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार दुबे एवं उनकी पूरी टीम, राजा बाजार राजा कुंवर देवेश सिंह, संजीव सिंह गोंडा, महेंद्र प्रताप सिंह, सुनील सिंह, आशीष सिंह सोनू, सत्यम सिंह, तेज बहादुर सिंह, प्रवीण सिंह विकास,मुरारी सिंह, गणेश बहादुर सिंह, विपुल सिंह, अमन सिंह मोनू, अजय सिंह दुर्गवंश, डीपी सिंह व संजय सिंह उपस्थित रहेंगे

डबल एनकाउंटरः मथुरा पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो बदमाश ढेर

-30 लाख की डकैती में शामिल थे दोनों बदमाश
-कुख्यात बाबरिया गिरोह के सदस्य हैं मारे गये दोनों बदमाश
-बदमाशों ने 23 अप्रैल की रात कारोबारी के घर डाली थी डकैती
-पुलिस की 17 टीमें लगातार कर रहीं थी बदमाशों का पीछा

(मथुरा)(ए.के. शर्मा)

गुरुवार की सुबह मथुरा पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो बदमाश ठेर हो गये। दोनों बदमाश 23 अप्रैल की रात को टैंटीगांव में कारोबारी के यहां पडी 30 लाख रुपये की डकैती में शामिल थे। डकैती की घटना के बाद स्थानीय विधायक राजेश चौधरी, डीआईजी शैलेश पांडेय, एसएसपी श्लोक कुमार ने भी घटना स्थल का मुआयना किया था। एसएसपी ने बताया कि व्यापारी के घर वारदात

देने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई थी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से दोनों घायल हुए। उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। दोनों का लंबा आपराधिक इतिहास है। इस कार्रवाई के दौरान दो सिपाही भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश सीसीटीवी कैमरे तोड गये थे और डीवीआर को निकाल ले गये थे। घटना के खुलासे के लिए एसएसपी श्लोक कुमार ने बदमाशों की तलाश में पुलिस की 17 टीमें का गठन किया था। पुलिस टीम लगातार बदमाशों की टोह लेने में लगी हुई थीं। गुरुवार की सुबह पुलिस टीम के साथ बमदाशों की मुठभेड़ सुरीर क्षेत्र में ही हुई, इसी क्षेत्र में बदमाशों ने डकैती को अंजाम दिया था। मुठभेड़ में मारे गये दोनों बदमाशों का संबंध कुख्यात बावरिया गैंग से बताया जा रहा है। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाशों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा और स्वाट टीम का एक सिपाही भी घायल हुआ है। दोनों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, मारे गए दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास काफी लंबा और गंभीर रहा है। धर्मवीर उर्फ लंबू, जो राजस्थान के भरतपुर का निवासी था, पर राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई थानों में करीब 16 मामले दर्ज थे, जिनमें कई में वह वांछित चल रहा था। राजेंद्र उर्फ पप्पू, जो अलवर का रहने वाला था, उसके खिलाफ राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थानों में डकैती, लूट और आर्म्स एक्ट के तहत करीब 11 मामले दर्ज थे।

विधवा महिला ने लगाया बंधुआकला थाना की पुलिस पर आरोप

मारपीट में शामिल लोगों के बजाय उल्टा पीड़िता विधवा महिला पर भी चलान

सुल्तानपुर। जनपद के बंधुआकला थाना की पुलिस पर लगा आरोप मारपीट में घायल महिला पीड़िता का ही उल्टा कर दिया गया चलान और मारपीट में शामिल चार लोगों के बजाय एक लोगों पर ही कार्यवाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मझना निवासी एक विधवा महिला ने गांव के ही कुछ लोगों पर मारपीट, गाली–गलौज, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता साधना मिश्रा अनुसार मारपीट करने वाले लोगों के उप्पर कार्य वाई करने के बजाय पीड़िता का भी किया गया चलान पीड़िता के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को वह अपने बेटे विकास के साथ ई–रिक्शा से बाजार जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में गांव के ही अंकित पाण्डेय, अन्केत पाण्डेय तथा रविन्द्र पाण्डेय उर्फ मुन्ना ने ई–रिक्शा रुकवाकर गाली–गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर मारपीट की। महिला का आरोप है कि हमलावर उसके गले से सोने की चौन, पर्स में रखे 700 रुपये और बैंक पासबुक छीनकर फरार हो गए। महिला ने बताया कि 18 अप्रैल को आरोपी उसके घर पहुंचे और दरवाजा पीटने लगे। गेट न खोलने पर कुंडी तोड़ दी गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने नाम नोट किए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 25 अप्रैल को भी आरोपियों द्वारा घर पहुंचकर मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया। पीड़िता ने बताया कि वह ई–रिक्शा और कॉस्मेटिक की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन–पोषण करती है। आरोप है कि 5 मई को उसकी 11 वर्षीय बेटी उन्नत मिश्रा दुकान पर बैठी थी, तभी आरोपी वहां पहुंचकर अभद्रता करने लगे।

इंसानियत शर्मसार : हादसे में घायल लड़के को मिली सिर्फ हमदर्दी, अस्पताल नहीं

विजडम इंडिया।

देहरादून संवाददाता शोभा राणा।

देहरादून।शहर के प्रेमनगर इलाके में 6 मई को एक सड़क हादसे ने समाज के दोहरे चेहरे को बेनकाब कर दिया। शाम लगभाग 7 बजे मुख्य मार्ग पर एक स्कूटी और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वहां चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसर दोनों के सिर से लगातार खून बह रहा था।

घटना के तुरंत बाद मौके पर भीड जमा हो गई। लोग घायल लड़के के चारों तरफ खड़े हो कर अफसोस जताते रहे, उसकी स्थिति पर हमदर्दी जताते रहे। लेकिन चौकाने वाली बात ये रही कि भीड़ में से कोई भी व्यक्ति अपनी गाड़ी से हॉस्पिटल ले जाने को तैयार नहीं हुआ। लोग वीडियो बनाते रहे, तस्वीरें खींचते रहे, पर मदद के लिए हाथ किसी ने नहीं बढ़ाया।

वहीं, उसी हादसे में घायल हुई लड़की को मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने तुरंत सहारा दिया और वहां से एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया।

एक ही हादसा, दोनों को एक जैसी गंभीर चोट, फिर मदद करने में ये भेदभाव क्यों? स्थानीय लोगों का कहना है कि ष्पुलिस केसष और ष्कानूनी झंझटष के डर से लोग आगे नहीं आते। जबकी गुड सेमेरिटन लॉ, 2016 के तेहत सड़क हादसे में मदद करने वाले व्यक्ति को पुलिस या अस्पताल द्वारा परेशान नहीं किया जा सकता।

क्या घटना ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिये हैं कि हमारी संवेदना भी अब लिंग भेद के आधार पर बनती है? क्या हम इतनी संवेदनाएं हो गए हैं कि एक इंसान का बहता खून भी हमें झिंझोड़ नहीं पाता ?

स्थायी प्रशासन और सामाजिक संगठन को इस दिशा में जागृति अभियान चलाने की जरूरत है, ताकि अगली बार कोई घायल सड़क पर सिर्फ हमदर्दी का मोहताज न रह जाए।

स्काउट गाइड शिविर का आयोजन

राजेंद्र नगर स्थित स्वामी विवेकानन्द सरस्वती विद्या मंदिर में तीन दिवस (4 मई से 7 मई) स्काउट गाइड शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विद्यालय के लगभग 700 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा नए–नए कौशल का प्रशिक्षण लिया। कैंप के ट्रेनर श्रीमान श्याम सिंह जी (जिला संगठन आयुक्त)ने बच्चों को विभिन्न कौशल ,समाज सेवा, चरित्र निर्माण तथा विपरीत परिस्थितयों में बचाव के गुर सिखाए एवं कैंप के समापन के दिन विद्यार्थियों को स्काउट गाइड के कैंप लगाने का प्रशिक्षण दिया । छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में अपना हुनर घ्धदिखाया एवं नौवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों की संस्कृति को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश रघुवंशी जी, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश राघव जी,प्रबंधक केशव कुमार जी, शारीरिक प्रमुख विशाल जी,तथा शारीरिक विभाग से वीरेश जी, निशु जी, नीलम जी, नरेश जोशी जी तथा ललित जी उपस्थित रहे।

भाजपा ने वार्ड नंबर 36 के नगर पालिका उपचुनाव में लहराया परचम

मीरजापुर। नगर पालिका के बुंदेलखंडी वार्ड के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नितिन केशरवानी के जीत पर भाजपा जिला बीबी कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज एवं नवनिर्वाचित सभासद नितिन केशरवानी का कार्यकर्ताओं

द्वारा भव्य स्वागत अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण द्वारा मिष्ठान खिलाकर किया गया । जिलाध्यक्ष जी ने कहा कि यह जीत मोदी जी एवं योगी जी के द्वारा कराये गये विकास कार्यों एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास को दिया । आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष एवं वार्ड के चुनाव प्रभारी शरदिनन्दुमणि त्रिपाठी, गौरव ऊमर, इन्द्र कुमार सिंह, उदयभान तिवारी, सुनीता शर्मा, जिला महामंत्री डॉ0 सी0एल0 बिन्द, स्वामीनाथ सिंह, जिलामंत्री रोहित त्रिपाठी, विरेन्द्र प्रताप यादव, जिला कोषाध्यक्ष चन्द्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं0 भावेश शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दूबे, पूर्व जिला महामंत्री रमेश दूबे, जिला सह कोषाध्यक्ष महेन्द्र जायसवाल, जिला आई0टी0 संयोजक अमित कुमार सिंह, धनन्जय मौर्य, जिला कार्यसमिति सदस्य रुद्रेश प्रताप सिंह, राकेश कुमार बिन्द, विरेन्द्र कुमार मौर्य वीरू, प्रेमलता दूबे, सोनम चतुर्वेदी, जिला सह मीडिया प्रभारी रतन कुमार सिंह, शुभम जायसवाल, मण्डल अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा, डॉली अग्रहरि, प्रितेश कुमार सिंह, पुष्पेन्द्र द्विवेदी, विरेन्द्र तिवारी, विकास कुमार गुप्ता के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग के कार्यक्रमों का जायजा लिया

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, उत्तर प्रदेश माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014 के नियम–24 के अनुसार जिला स्तर पर गठित समिति की बैठक एवं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम–1989 तथा तद्विषयक नियमावली 1995 के नियम–17 के अन्तर्गत जनपद स्तर पर गठित सतर्कता एवं मानीटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते

हुए कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं उस योजनान्तर्गत पात्र आवेदकों को योजना से लाभान्वित किया जाए।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्वैच्छिक संस्था के माध्यम से संचालित वृद्धजन आवास वृद्धाश्रम पटेगरा नाला विंध्याचल में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जिलाधिकारी द्वारा जानकारी ली गई जिस पर समाज कल्याण अधिकारी द्वारा बताया गया कि कुल क्षमता 150 है वर्तमान में पंजीकृत वृद्ध 74 है जिनमे 41 महिलाएं 33 पुरुष हैं जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि माह में कम से कम दो बार स्वास्थ्य शिविर लगाए एवं आवश्यकता अनुसार दवाइयां भी दी जाए जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम के मैनेजर को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा दी जाने वाली मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीएल वर्मा, मुख्य कोषाधिकारी अर्चना त्रिपाठी, समाज कल्याण अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिकाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने अपने वार्ड से भाजपा सभासद को दिलाई विजय

मीरजापुर ।नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने बुंदेलखंडी वार्ड में भाजपा प्रत्याशी नितिन केशरवानी की जीत पर हर्ष व्यक्त किया है ।उन्होंने

कहा कि वार्ड के निवासियों ने फिर से भाजपा पर भरोसा जताया है,यह जीत भाजपा की जीत है,सभी कार्यकर्ताओं ने पूरी लगन के साथ काम किया है,जिसका परिणाम रहा है कि बुंदेलखंडी वार्ड में पुनः कमल खिला है ।संगठन की शक्ति,सेवा,समर्पण और अथक प्रयास का फल मिला है ।मैने तो पहले ही कहा था बंगाल की तरह बुंदेलखंडी चुनाव में भाजपा का परचम लहराएगा ।बता दे बुंदेलखंडी उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी नितिन केशरवानी ने ग्यारह मतों से जीत हासिल की है, काफी कड़े मुकाबले में अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी को हराकर नितिन केशरवानी ने जीत दर्ज की है ।पांचवे राउंड तक सपा प्रत्याशी नागेंद्र तिवारी सबसे आगे चल रहे थे,छठे ,सातवें राउंड में जहां नगर पालिका अध्यक्ष का निवास क्षेत्र है वहां के बूथों में भाजपा प्रत्याशी ने बढ़त हासिल कर वार्ड में कमल खिलाया।

स्पष्ट राजनैतिक-सैन्य लक्ष्य को हासिल करने हेतु नियंत्रित बल प्रयोग आपरेशन सिंदूर दुनिया के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण

लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे (सेवानिवृत्त)

बदलते राजनैतिक–सैन्य लक्ष्यों के बीच युद्ध लड़ने के अमेरिका, इजराइल और रूस के प्रयोगों ने यह दर्शाया है कि 21वीं सदी के युद्ध और संघर्ष अक्सर लंबे एवं अस्पष्ट अभियानों में बदल रह गए हैं। इनके नतीजे संबंधित क्षेत्र के लिए विनाशकारी बन गए हैं और अखिरकार पहल करने वाले को ही इनका फायदा नहीं मिल पाया है। तालिबान, इराक, यूक्रेन, गाजा और अब ईरान का संघर्ष यह बतलाता है कि सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य अनिश्चित काल तक दबाव बनाए रखना नहीं होता है। इसका उद्देश्य निर्णायक रणनीतिक नतीजे हासिल करना और फिर ज्यादा ताकतवर सैन्य शक्ति द्वारा तय की गई अनुकूल शर्तों पर पीछे हट जाना होता है।ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रिया ने दुनिया की सैन्य शक्तियों खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने अपनाए जाने लायक एक ठोस विकल्प पेश किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने अनगिनत बार युद्धविराम का झूठा श्रेय लिया है। लेकिन वही राष्ट्रपति ईरान को सैन्य एवं आर्थिक रूप से तबाह कर देने के बावजूद युद्धविराम का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। ऑपरेशन सिंदूर सुनियोजित बल प्रयोग का एक ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया और उन उद्देश्यों को हासिल कर लेने के बाद अनुशासित संयम भी बरता गया।ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के स्थापित सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा की गई उकसावे की एक क्रूर हरकत के बाद शुरू किया गया था। इस हरकत के तहत दिए गए निर्देशों अनुसार काम करने वाले आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर केवल पुरुषों की उनके परिवार के सदस्यों, पत्नियों, बच्चों और माता–पिता के सामने बेरहमी से हत्याएं कीं। इस घटना के बाद न तो भावावेश में आकर तनाव बढ़ाया गया और न ही अंधाधुंध प्रतिशोध लिया गया। बल्कि एक सुनियोजित तरीके से जवाब दिया गया। हर कदम सोच–समझकर, लेकिन तेजी से उठाया गया। ये कदम दंडात्मक और विध्वंसात्मक, दोनों ही थे। इन कदमों को अलग–अलग ठिकानों को तबाह करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। यह क्षमता और इरादे, दोनों का संकेत था। फिर भी, तनाव घटाने के लिए भी एक अलग से गुंजाइश रखी गई थी। यह किसी कमजोरी का नहीं, बल्कि नियंत्रण का सबूत था। यह भावना नहीं, बल्कि वह निष्ठुरता थी जो न्यायसंगत युद्ध के अधिकार (जस एड बेलम) और क्षमताओं में विश्वास एवं भरोसे की वजह से आती है।भारत की रणनीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता राजनैतिक–सैन्य उद्देश्यों को लेकर स्पष्टता थी। इसका लक्ष्य सीमा–पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार बुनियादी ढांचे एवं तत्वों पर तत्काल और ठोस प्रहार करना तथा प्रतिरोध को फिर से स्थापित करना था। यह सब परमाणु सुरक्षा कवच और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के दायरे में रहते हुए किया गया। अहम परिसंपत्तियों को तेजी से

नष्ट करके और पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व को मनोवैज्ञानिक आघात पहुंचाकर इन लक्ष्यों को हासिल करने के बाद, भारत ने संघर्ष को रोक दिया। कुल 88 घंटों के भीतर, भारतीय सशस्त्र बलों ने इस मिशन के उद्देश्यों को पूरा करके राजनीतिक प्रतिष्ठान को सौंप दिया। राजनीतिक प्रतिष्ठान ने सशस्त्र बलों को साफ और सुस्पष्ट निर्देश दिए थे। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान ने युद्धविराम की गुहार लगाई। उन्हें यह गलतफहमी थी कि वे कोई नतीजा भुगते बिना उकसावे की हरकत बेलगाम जारी रख सकते हैं। लेकिन उन्हें घुटने टेककर कदमों में गिरना पड़ा। उनके राजनेता लाइव मीडिया के सामने डरे हुए दिखाई दिए और सैन्य कमांडर छिप गए।यह बेहद नाजुक क्षण था। इसने एक संरचनात्मक हकीकत को उजागर किया। भले ही पाकिस्तान की रणनीति लंबे समय से हजारों घावों से लथपथ करके भारत को धीरे–धीरे कमजोर करने की नीति पर केन्द्रित रही है, लेकिन उसमें सीधे उसकी सत्ता के मूल केन्द्रों को निशाना बनाने वाले संक्षिप्त, तेज और उच्च तीव्रता वाले हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। भारत के प्रति उसकी निरंतर शत्रुता केवल वैचारिक ही नहीं, बल्कि संस्थागत भी है। पाकिस्तान की सेना का राज्य पर प्रभुत्व संघर्ष की इसी रणनीति पर टिका हुआ है।भारत का रणनीतिक समुदाय यह अच्छी तरह समझता है कि पाकिस्तान से उसकी रणनीतिक दिशा में मौलिक बदलाव की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है, क्योंकि शत्रुता आकस्मिक नहीं बल्कि अस्तित्वगत है। इसलिए भारतीय प्रतिक्रिया ने पाकिस्तान के मसले को हल करने का प्रयास ही नहीं किया, बल्कि तत्काल दंड लगाकर और अंतहीन तनाव के चक्र में फंसे बिना प्रतिरोध को बहाल किया। यह अंतर महत्वपूर्ण है। चूंकि पाकिस्तान की सेना का राज्य पर प्रभुत्व अस्तित्वगत खतरे और धार्मिक पहचान पर आधारित संघर्ष के प्रतिमान के जरिए कायम है, इसलिए रणनीतिक परिपक्वता वैचारिक आधारों को बदलने में नहीं बल्कि विश्वसनीय, सीमित और दोहराए जाने योग्य कार्रवाइयों के जरिए उसके व्यवहार को आकार देने में थी। वैचारिक आधारों को बदलना अक्सर एक असंभव कार्य होता है।अमेरिकी योजनाकारों के लिए, यह कदम हालिया सैन्य अभियानों से बिल्कुल अलग स्थिति पेश करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बार–बार अपनी जबरदस्त सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया है, लेकिन सामरिक प्रभुत्व को स्पष्ट रणनीतिक नतीजों में बदलने के लिए उसे काफी जूझना पड़ा है। यदि अभियानों को नियंत्रित न किया जाए, तो उनका दायरा हमेशा बढ़ता जाता है और उद्देश्य अस्पष्ट हो जाते हैं। यही नहीं, वे अपने शुरुआती लक्ष्यों से कहीं दूर आगे जाकर फैल जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप रणनीतिक थकान, संसाधनों की बर्बादी और कुछ मामलों में विश्वसनीयता में कमी आती है। ईरान के साथ चल रहे मौजूदा युद्ध में भी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ ठीक यही हुआ है। इसमें कोई नई बात नहीं है। बल्कि यह इराक, अफगानिस्तान और अन्य युद्धोंया संघर्षोंकी पुनरावृत्ति है जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका को उलझना पड़ा।जरा ईरान के साथ चल रहे युद्ध में ऑपरेशन सिंदूर के नमूने के काल्पनिक इस्तेमाल पर विचार करें। आण्विक बुनियादी ढांचे, मिसाइल क्षमताओं और शासन के प्रमुख नेतृत्वकारी केन्द्रों को निशाना बनाने का लक्षित अभियान कुछ ही हफ्तों में पूरा हो चुका था और यही इसकी रणनीतिक सफलता भी थी। स्पष्ट रूप से सूचित और प्रभावी ढंग से अंजाम दिए गए निर्णायक हमले ने युद्ध को आगे बढ़ाने की ईरान की क्षमता को पहले ही कुंद कर दिया था। इसके बाद, इस मिशन की सफलता की घोषणा और अनिश्चितकालीन सैन्य उपस्थिति के बजाय राजनयिक और आर्थिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने से राजनैतिक–सैन्य लक्ष्य हासिल हो जाते। यह विचार इस लेखक ने मार्च 2026 में भारतीय थिंक टैंक श्क्लॉजय में प्रकाशित अपने इश्यू ब्रीफ 496 में व्यक्त किया था।ईरान भी शुरुआत से ही उबरने का कोई रास्ता तलाश रहा था, लेकिन अमेरिकी लक्ष्य बदलकर पूर्ण विनाश या अधीनता की दिशा में चला गया। इस विकल्प को आजमाया गया। संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य वाले एक लंबे अभियान के परिणामस्वरूप द्वितीय और तृतीय स्तर के नतीजे सामने आए। आखिरकार यही नतीजे अब अमेरिकी हितों और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लंबे सैन्य अभियान असंतुलित जवाबी कार्रवाई को न्योता देते हैं, घरेलू समर्थन को कम करते हैं और ऐसे भू–राजनैतिक शून्य पैदा करते हैं जिन्हें संभालना मुश्किल होता है। ईरान ने इन सभी उपायों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पराजित, बर्बाद एवं तबाह होने के बावजूद, वह सदृढ़ और विजयी बनकर उभरा है। इसके उलट, स्पष्ट उद्देश्यों पर आधारित एक संक्षिप्त एवं कारगर उपाय वांछित नतीजे हासिल करने के साथ–साथ रणनीतिक लचीलापन भी बनाए रख सकता था। भारत का दृष्टिकोण युद्ध में तनाव को नियंत्रित रखने के महत्व को रेखांकित करता है, क्योंकि आधुनिक युद्ध केवल बल प्रयोग तक ही सीमित नहीं होते हैं। बल्कि इसमें शत्रु और अंतरराष्ट्रीय समुदाय, दोनों की धारणाओं को नियंत्रित करना भी शामिल होता है। अपनी प्रतिक्रिया को संतुलित रखकर, भारत ने कोई जल्दबाजी दिखाए बिना दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। इससे यही संकेत मिला है कि भारत निर्णायक कार्रवाई करने को जितना तैयार है, उतना ही वह अनियंत्रित संघर्षों को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

सम्पादकीय

आम मरीजों के हक की रक्षा

ये नहीं कहा जा सकता कि आवश्यक दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। फिर भी दवा कंपनियों ने 2013 से ही मूल्य नियंत्रण आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है।बॉम्बे हाई कोर्ट के एक निर्णय के परिणामस्वरूप बहुत–सी जरूरी दवाएं मूल्य नियंत्रण की श्रेणी से बाहर हो जाएंगी। कोर्ट ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश– 2013 की भाषा में मौजूद खामियों का लाभ दवा कंपनियों को दिया है। उसने कहा कि मूल्य संबंधी विनियमों को उन दवाओं पर लागू नहीं किया जा सकता, जिनका स्पष्ट रूप से उपरोक्त आदेश में उल्लेख नहीं है। सरकार इसी आदेश के तहत आवश्यक औषधियों की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) बनाती है, जिनकी मनमाने ढंग से कीमत नहीं बढ़ाई जा सकती। विशेषज्ञों के मुताबिक इस व्यवस्था को नाकाम करने के लिए कंपनियां मूल दवा में मामूली हेरफेर कर उसके नए संस्करण बनाती रही हैं। ये दवाएं अलग नाम से बाजार में उतारी जाती हैं। अब तक 2013 के आदेश की भावना के अनुरूप सरकार ऐसी दवाओं को एनएलईएम में शामिल करती आई है। फिलहाल, इस सूची में 348 दवाएं हैं, जिनके सभी संस्करण (खूराक मात्रा और पॉवर के रूप में) उस सूची में शामिल हैं। अब ये सूरत बदल सकती है। हालांकि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में जाने का विकल्प है, लेकिन आशंका है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे नहीं दिया, तो बीच की अवधि में बहुत–सी दवाएं आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाएंगी।इसलिए जरूरी है कि सरकार भाषा की खामियों को दुरुस्त करते हुए 2013 के आदेश को नए सिरे जारी करे। यहां उल्लेखनीय है कि कंपनियों को एनएलईएम के तहत आने वाली दवाओं की कीमत साल में एक बार बढ़ाने का अधिकार 2013 के आदेश के तहत मिला हुआ है। गुजरे वर्ष के थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर वे इनके दाम बढ़ाती रही हैं। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसी वृद्धि का तर्क उन्हें पेश करना पड़ता है, जिस पर सरकार की नजर रहती है। अतरू ये नहीं कहा जा सकता कि इन दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। लेकिन दवा कंपनियों ने 2013 से ही उपरोक्त आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। मगर सरकार को यह याद रखना चाहिए कि आम मरीजों के हक की रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है।

आपरेशन सिंदूर -संकल्प, जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुनरु परिभाषित किया

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं हैय यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थींकृ इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु–क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा। इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा–पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व–निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित कियाकृ इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल–प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गईकृये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। ऑपरेशन सिंदूर इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था। भारत की बहु–क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं हैय यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है। ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य–निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया।

हमला, घेराबंदी, जीत आपरेशन सिंदूर और सिद्धांत, जिसे भारत ने 88 घंटों में निर्मित किया

एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त)

6–7 मई 2025 की रात को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया कृ यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 बेकसूर लोगों की जान चली गई थी, के जवाब में चलाया गया एक सुनियोजित और समयबद्ध सैन्य अभियान था। इसके बाद अगले 88 घंटों में जो कुछ हुआ, वह महज एक सैन्य हमला भर नहीं था, बल्कि यह भारत के नए और पूरी तरह से विकसित रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन थारू एक ऐसा सिद्धांत, जिसे स्पष्ट उद्देश्य, तकनीकी आत्मनिर्भरता, राजनीतिक दृढ़ इच्छाशक्ति और पूरे राष्ट्र की एकजुटता से परिभाषित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के नियमों को फिर से लिखा और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आने वाले कई दशकों तक दक्षिण एशिया की सुरक्षा की दिशा तय करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार भारत ने एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी कृ और जीत हासिल की कृ जो असल में एक ही मोर्चे पर दो देशों की संयुक्त ताकत के रूप में सामने आया था। चीन ने खुद को इस मामले से अलग रखा, लेकिन उसने पाकिस्तान को सक्रिय उपग्रह खुफिया जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सहायता, साइबर सहायता और पीएल–15 जैसी दृष्टि–सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइलों सहित अग्रिम मोर्चे के सैन्य साजो–सामान भी उपलब्ध कराए। भारत ने इन दोनों की संयुक्त ताकत को परास्त किया।

आधुनिक संघर्षों की एक प्रमुख विफलता कृ रूस–यूक्रेन युद्ध के पाँच साल लंबे संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के युद्ध क्षेत्र तक कृ यह रही है कि इनमें बाहर निकलने की कोई रणनीति नहीं होती। ऐसे अभियान, जिनका कोई निश्चित अंत न हो, अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करते हैं, जनता के मनोबल को गिराते हैं तथा न तो जीत दिलाते हैं और न ही शांति। इन क्षेत्रों में अमेरिका का पहले ही 27.68 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च हो चुका है और इसका कोई निश्चित अंत भी नजर नहीं आ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर ने सोच–समझकर इस जाल से खुद को बचायाय उसने वह कर दिखाया जो बहुत कम आधुनिक सेनाएँ कर पाती हैंरू पहली मिसाइल दागे जाने से पहले ही सफलता की परिभाषा तय कर लेना।

भारत इस अभियान में अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह स्पष्ट थारू आतंकी ढांचे और उसे पनाह देने वालों को खत्म करना, दुश्मन को ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान पहुंचाना और अपनी शर्तों पर बाहर निकल आना कृ जिसमें किसी भी तरफ आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पर्याप्त खुफिया जानकारी के आधार पर नौ लक्ष्य निर्धारित कियेय इनमें से प्रत्येक को लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद, और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी इकोसिस्टम को बनाए रखने में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए चुना गया था। पहला हमला सिर्फ 23 मिनट में पूरा कर लिया गया। पूरा अभियान 88 घंटों के अंदर खत्म हो गया, इसके बाद भारत ने दुश्मन को अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया कृ यह युद्धविराम बातचीत से नहीं, बल्कि दुश्मन को और भी ज़्यादा और बड़ा नुकसान पहुंचाने की प्रदर्शित क्षमता के कारण हुआ।

यह सिद्धांत कृ उद्देश्य के साथ प्रवेश करना, सटीकता के साथ कार्य करना और बिना किसी अतिरेक के बाहर निकलना कृ नियंत्रित युद्ध की एक ऐसी शैली है, जिसका प्रदर्शन आधुनिक सैन्य इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। आने वाले वर्षों में, इसका स्टाफ कॉलेजों में गहन अध्ययन किया जाएगा।

दुश्मन के गढ़ में गहरी चोट ऑपरेशन सिंदूर के भौगोलिक दायरे ने पिछली सभी सीमाओं को तोड़ दिया। भारत ने अपने शुरुआती हमले सिर्फ पाकिस्तान–अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि वह पाकिस्तान के मुख्य भूभाग पंजाब के भी काफी अंदर तक पहुँच गया। सियालकोट और बहावलपुर में मौजूद ठिकानों परकृजिनमें से बहावलपुर भारतीय सीमा से 140 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर हैकृबेहद सटीक हमले किए गए। बाद में, रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस और सरगोधा में मौजूद परमाणु–वाहक बेस जैसे अहम सैन्य ठिकानों को भी भारत की प्रभावी मारक क्षमता के दायरे में ले आया गया। नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और वहाँ के सेना मुख्यालय रावलपिंडी के एकदम नजदीक हैय जबकि सरगोधा में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को हवाई मार्ग से पहुँचाने वाले साजो–सामान मौजूद हैं। संदेश स्पष्ट थारू कोई भी ठिकाना हमारी पहुँच से बाहर नहीं है।

100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें कुछ बड़े आतंकवादी भी थेरू आईसी –814 अपहरण से जुड़ा यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और पुलवामा हमले से जुड़ा मुदस्सिर अहमद। जैश–ए–मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के परिवार के दस सदस्यों को बहावलपुर स्थित मुख्यालय में मार गिराया गया। इन हमलों ने पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों की कमान–व्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया।

शायद सबसे अहम बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल की पोल खोल दी। दशकों तक, पाकिस्तान की परमाणु छत्रछाया का इस्तेमाल राज्य–प्रायोजित आतंकवाद को छूट देने के लिए किया जाता रहा कृ इसके पीछे एक अनकहा अनुमान यह था कि भारत कभी भी तनाव बढ़ाने का जोखिम नहीं उठाएगा। भारत ने इस अनुमान को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। भारत की गहरे और निर्णायक रूप से हमला करने की तत्परता कृ जिसमें पाकिस्तान के परमाणु हवाई बेड़े वाले ठिकाने पर हमला भी शामिल था कृ ने साबित कर दिया कि समीकरण अब हमेशा के लिए बदल चुका है। जिस दिन भारत ने सरगोधा पर हमला किया, दक्षिण एशिया में प्रतिरोध का भूगोल हमेशा के लिए बदल गया।

सीमा–पार अधिकतम क्षति, देश के भीतर न्यूनतम प्रभाव

अधिकांश युद्धों में, नुकसान एक जगह तक सीमित नहीं रहता। यह सीमाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आम नागरिकों के जीवन तक फैल जाता है। ऑपरेशन सिंदूर ने इस प्रारूप को निर्णायक रूप से तोड़ दिया। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ढाँचे को गंभीर और लक्षित नुकसान पहुँचाया, जबकि अपने देश में इसका असर लगभग शून्य रहा कृ परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच, आधुनिक इतिहास में यह असंतुलित प्रभाव का बेजोड़ उदाहरण है।भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पाकिस्तान के चीन से मिले वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा दिया और जाम कर दिया। राफेल जेट, स्कैल्प क्रूज मिसाइलों और हैमर सटीकता–निर्देशित बमों का इस्तेमाल करते हुए, आईएएफ ने सिर्फ 23 मिनट में अपनी शुरुआती हमलावर कार्रवाई पूरी कर ली। 9–10 मई को, जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला किया, तो भारत ने एक ही समन्वित ऑपरेशन में पाकिस्तान के 11 सैन्य हवाई अड्डों पर हमला किया कृ इतिहास में यह पहली बार था, जब किसी देश ने एक ही समय पर किसी परमाणु–सशस्त्र देश के खिलाफ ऐसा किया हो। इस हमले में पाकिस्तान वायु सेना की लगभग 20 प्रतिशत परिसंपत्ति नष्ट हो गई। भोलारी सैन्य हवाई अड्डे पर भारी जान–माल का नुकसान हुआय जिसमें अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान, हैंगर में खड़े बेहतरीन एफ–16 लड़ाकू विमान और रनवे पर मौजूद एईडब्लूएंडसी विमान भी नष्ट हो गए।

प्रतिरक्षा के मोर्चे पर, भारत की बहु–स्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली कृ जिसे स्वदेशी आईएसीसीएस और आकाशतीर कमांड–एंड–कंट्रोल प्रणाली, एस–400, आकाश और एमआरएसएएम बैटरियों का समर्थन प्राप्त है कृ ने पाकिस्तान से आने वाले सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों को लगभग 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने चीन में बने ड्रोन, तुर्की के बायराक्तार यूसीएवी, क्रूज मिसाइलें और यहाँ तक कि दिल्ली को निशाना बनाकर एक फतह–द्ढद्ढ रॉकेट भी तैनात किया था। इन सभी को रोक दिया गया। भारत का आसमान पूरी तरह सुरक्षित रहा। भारत ने एस–400 मिसाइल के जरिए अब तक की सबसे लंबी दूरी पर निशाना साधने का कीर्तिमान भी बनायाय लगभग 314 किलोमीटर की दूरी पर हवा में मौजूद एक पाकिस्तानी एईडब्लूएंडसी विमान को नष्ट कर दिया।

आज का राशिफल

मेष राशि–
मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वर्क प्लेस पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी।

वृष राशि–
वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि हो सकती है।

मिथुन राशि–
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना लें। आज किसी भी प्रकार का अनुचित काम आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप किसी काम करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा।

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनाए रखेंगे, आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी।

कन्या राशि–
कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। बेहतर रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी।

तुला राशि–
तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद विवाद निपटने से घर में सुकून और शांतिपूर्ण माहौल रहेगा।

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भावनाओं का भी ख्याल रखेंगे।

कुंभ राशि
कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना रिश्तों में मधुरता लाएगा।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं।

एल. पी. जी. सुचारु सप्लाई हेतु सरकार व जिला प्रशासन के सारे दावे साबित हुए हवा हवाई

मीरजापुर। शहर में इंडेन गैस की सप्लाई देने वाले अस्मिता गैस एजेंसी द्वारा सिलेंडर सप्लाई में पूरी तरह हीला हवाली की जा रही है, जिसका नतीजा है कि एडवांस पेमेंट कर देने के बीस दिन बाद भी उपभोक्ता को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है और उसे ईंधन हेतु अन्य वैकल्पिक साधनों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए विधान परिषद सदस्य (स्नातक खंड) आशुतोष सिन्हा के प्रतिनिधि डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने बताया कि उनके पुत्र द्वारा विगत 19 अप्रैल को गैस सिलेंडर हेतु एडवांस पेमेंट (प्री पेमेंट) बुकिंग की गई थी, जिसकी डिलीवरी न होने से 16 दिन बाद बात करने पर एजेंसी मालिक द्वारा बड़े ही रूखे शब्दों में कहा गया कि बीस दिन तो आम बात है, पूरे भारत में सिलेंडर डिलवरी में डेढ़ – डेढ़ महीने लग जा रहे हैं और वो भी ऐसे ही करेंगे डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि पिछली बार भी पेमेंट कर देने के 15 दिन बाद तक डिलीवरी न हो पाने पर एस. डी. एम. व जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय के संज्ञान में लाने पर ही गैस सिलेंडर की आपूर्ति संभव हो सकी थी। उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि एजेंसियों द्वारा डिलवरी में देरी किए जाने का एकमात्र मुख्य कारण नया बनाया गया यह नियम है कि अगली बुकिंग डिलीवरी डेट के 25 दिन बाद ही की जा सकती है, जिससे उपभोक्ता को अगली सप्लाई देने में और भी ज्यादा समयांतराल लगेगा। एम. एल. सी. प्रतिनिधि डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मूलभूत आवश्यकता होने के कारण आम जनता को खान पान में हो रही समस्याओं के दृष्टिगत गैस एजेंसियों की नकेल कसी जाए और सिलेंडर डिलीवरी हेतु एक निश्चित समय अवश्य निर्धारित किया जाए।

जिला अस्पताल में संविदा चिकित्सकों का शोषण -मेडिकोलीगल कार्य थोपकर हो रही ज्यादती

अयोध्या। जिला अस्पताल में संविदा (संविदाध्आकस्मिक) चिकित्सकों के साथ लगातार ज्यादती हो रही है। शासनादेशों की अनदेखी करते हुए इन डॉक्टरों को जबरन मेडिकोलीगल केस करने पड़ रहे हैं, जबकि यह जिम्मेदारी नियमित सरकारी चिकित्सकों की है। इस मामले में छह आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी खुलकर अपनी पीड़ा बयां नहीं कर पा रहे हैं। जिला अस्पताल की इमरजेंसी ओपीडी में कार्यरत संविदा चिकित्सकों से फिलहाल मेडिकोलीगल कार्य कराया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, शासनादेश स्पष्ट रूप से कहता है कि मेडिकोलीगल कार्य केवल स्थायी नियमित चिकित्सा अधिकारी ही करेंगे। इसके बावजूद नियमित डॉक्टरों द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाकर संविदा डॉक्टरों का शोषण किया जा रहा है। संविदा चिकित्सक कम वेतन पर भी दिन–रात बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं, लेकिन उन्हें आज तक नियमित नहीं किया गया है। प्रभावित डॉक्टरों में डॉक्टर आशीष पाठक, डॉक्टर प्रमोद तिवारी, डॉक्टर आशुतोष प्रताप सिंह, डॉक्टर पंकज कुमार, डॉक्टर विशाल चौधरी और डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा शामिल हैं। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि मेडिकोलीगल कार्य करने के दौरान अक्सर कोर्ट से समन आते हैं। कोर्ट में गवाही देने के लिए उन्हें जाना पड़ता है, जिससे उनकी ड्यूटी प्रभावित होती है। इसके बावजूद न तो अतिरिक्त सुविधाएं दी जा रही हैं और न ही कोई सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा रहा है। एक संविदा चिकित्सक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हम कम वेतन में 24 घंटे की ड्यूटी देते हैं। इमरजेंसी, ओपीडी, मेडिकोलीगलकृसब काम हमसे ही करवाए जाते हैं। जबकि नियमित डॉक्टर आराम से बैठे रहते हैं। शासनादेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हमारा शोषण बंद होना चाहिए और हमें नियमित किया जाए। चिकित्सा क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि मेडिकोलीगल केस संवेदनशील होते हैं। इनमें कानूनी जटिलताएं और दबाव दोनों ज्यादा होते हैं। संविदा डॉक्टरों को जबरन इस कार्य में लगाने से न केवल उनका शोषण हो रहा है, बल्कि मरीजों की बेहतर देखभाल और आपातकालीन सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है। जिला अस्पताल में वर्तमान में कुल छह ऐसे आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी हैं जो इस ज्यादती का शिकार हो रहे हैं। लंबे समय से नियमितीकरण की मांग को लेकर ये डॉक्टर कई बार प्रशासन को ज्ञापन भी दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

विश्व विरासत शहर की सूची में शामिल हो अयोध्या आलोक सिंह

अयोध्या। अयोध्या को "भारत की धार्मिक राजधानी" एवं विश्व विरासत शहर की सूची में शामिल करने की मांग आलोक सिंह राना ने उठाई है। इस संबंध आलोक सिंह राना ने मंडलायुक्त राजेश कुमार जी से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। पुनर्जागरण संस्थान के अध्यक्ष एवं "राम का घर" के प्रबंधक आलोक सिंह राना ने मंडलायुक्त अयोध्या को ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि अयोध्या जिस तीव्र गति से विकसित हो रही है, उसे और आगे बढ़ाकर एक सुनियोजित दृष्टिकोण के साथ पूर्ण रूप से स्थापित किया जाना आवश्यक है। राना ने कहा कि अयोध्या की पहचान पहले से ही एक वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में है और वर्तमान में हो रहे विकास कार्य राम पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ, श्रीराम जन्मभूमि पथ, आस्था पथ एवं भारत पथकृइस दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी विकसित हो रहे कॉरिडोरों को केवल अवसंरचना के रूप में नहीं, बल्कि धार्मिक अनुभव के रूप में आगे बढ़ाकर एकीकृत रूप से विकसित किया जाय, जिससे सम्पूर्ण अयोध्या "लिविंग रामायण एक्सपीरियंस सिटी" के रूप में उभरे। उन्होंने सुझाव दिया है कि घाटों का पुनरोद्धार, आधुनिक अवसंरचना, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन एवं नगर विस्तार जैसे कार्यों को एक समन्वित विरासत मॉडल से जोड़ा जाए, ताकि विकास और परंपरा का संतुलन बना रहे। आलोक ने कहा कि नए विकसित पथ के एकरूप फसाड विकास को स्थायी नीति के रूप में लागू किया जाए। सभी नए निर्माण में आधुनिकता के साथ विरासत का संरक्षण हो । शहर की लाइटिंग, साइनज, मूर्तिकला एवं सार्वजनिक स्थलों को रामायण थीम से जहां जुड़ रह हैं साथ ही प्राचीन धरोहरों को भी सम्मिलित किया जाए। अयोध्या को एक खुला जीवंत सांस्कृतिक संग्रहालय के रूप में विकसित किया जाए । उन्होंने यह भी प्रस्तावित किया कि अयोध्या को यूनेस्को की "विश्व विरासत नगर" की सूची में सम्मिलित कराने की दिशा में औपचारिक प्रक्रिया प्रारंभ की जाए, जिससे इस विकसित होती नगरी को अंतरराष्ट्रीय संरक्षण एवं पहचान प्राप्त हो सके। आलोक ने प्रशासन से अनुरोध किया कि इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए संबंधित विभागों एवं के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की जाए जिसमें नए निर्माण एवं प्राचीनता का संतुलन बना कर हैरिटेज सिटी के सभी मानकों को पूरा किया जा सके और शुरआत में टेंटिटिव लिस्ट में अयोध्या का नाम जाए।

हाईटेंशन लाइन तार की चपेट में आने से किसान की मौत

श्रावस्ती । थाना सोनवा क्षेत्र अन्तर्गत एक किसान की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। किसान साइकिल से अपने खेत जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान प्रहलादा गांव निवासी बंसराज पुत्र हग्गन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उनके खेत के पास एक हाईटेंशन बिजली लाइन टूटकर जमीन पर पड़ी थी। बंसराज अनजाने में उसी टूटे तार की चपेट में आ गए, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि टूटी हुई हाईटेंशन लाइन की सूचना पहले ही विभाग को दी गई थी, लेकिन लाइनमैन और संबंधित अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का मानना है कि यदि समय रहते तार ठीक कर दिया जाता तो इस हादसे को टाला जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही सोनवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। यह घटना बिजली विभाग की कथित लापरवाही को उजागर करती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। गिलौला के जेई देवकीनंदन ने बताया कि तेज आंधी के कारण तार टूटा था, लेकिन इसकी जानकारी पहले किसी ने नहीं दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि लाइनमैन ने बिना जांच किए ही लाइन चालू कर दी थी और किसान ने भी टूटे तार पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में पत्रकारों, वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों का विशेष पर्चा काउंटर हटने से बढ़ी परेशानी

श्रावस्ती । संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में वरिष्ठ नागरिकों, सैनिकों, वृद्धजनों, दिव्यांगों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं पेंशनर्स की सुविधा के लिए पूर्व जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर बनाया गया विशेष पर्चा काउंटर अब हटाए जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त काउंटर का उद्देश्य यह था कि बुजुर्ग, दिव्यांग एवं विशेष श्रेणी के लोगों को भीड़ में लंबी लाइन लगाकर पर्चा बनवाने की समस्या से राहत मिल सके। अस्पताल प्रशासन द्वारा अब उसी स्थान पर आयुष्मान काउंटर संचालित किया जा रहा है, जिसके कारण वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगों के लिए अलग से कोई सुविधा नहीं बची है। वर्तमान स्थिति में बुजुर्गों, सैनिकों, पेंशनर्स, पत्रकारों तथा अन्य विशेष श्रेणी के लोगों को सामान्य मरीजों की भीड़ में घंटों लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। इससे खासकर वृद्धजनों और दिव्यांग मरीजों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों एवं पत्रकारों का कहना है कि नवागत जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग को प्रेसवार्ता के दौरान इस समस्या से अवगत भी कराया गया था। पत्रकारों ने मांग की थी कि पूर्व की तरह वरिष्ठ नागरिकों, सैनिकों, दिव्यांगों, पत्रकारों एवं पेंशनर्स के लिए अलग पर्चा काउंटर पुनः शुरू कराया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके। हालांकि शिकायत और मांग के बावजूद अभी तक अस्पताल में अलग काउंटर की व्यवस्था नहीं हो सकी है। लोगों का कहना है कि सरकार जहां एक ओर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को प्राथमिकता देने की बात करती है, वहीं जिला अस्पताल में उनकी सुविधाओं को समाप्त किया जाना चिंता का विषय है। पत्रकारों ने जिलाधिकारी से जल्द हस्तक्षेप कर विशेष पर्चा काउंटर पुनः बहाल कराने की मांग की है, ताकि जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके।

ग्रामीण आवास योजना की बड़ी उपलब्धि, 4011 परिवारों को मिला आशियाना

-गरीब व जरूरतमंदों के जीवन में आया बदलाव

अयोध्या। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में जनपद अयोध्या ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल 2017 से मार्च 2026 तक कुल 4011 लाभार्थियों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। इस योजना के माध्यम से गरीब, असहाय और जरूरतमंद परिवारों के सपने को साकार किया गया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और मजबूत इच्छाशक्ति को सराहा जा रहा है। योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को न केवल आवास उपलब्ध कराया गया, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले जो परिवार कच्चे मकानों, झुग्गी–झोपड़ियों या किराए के मकानों में रहने को मजबूर थे, उन्हें अब स्थायी और सम्मानजनक आवास मिल गया है। इससे उनकी सामाजिक सुरक्षा बढ़ी है और वे आत्मविश्वास के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अयोध्या जिले में इस अभियान को विशेष रूप से प्रभावी बनाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में बिना भेदभाव के पात्र परिवारों को चिन्हित कर उन्हें आवास प्रदान किए गए। कई लाभार्थी महिलाएं भी हैं, जिन्हें मकान के स्वामित्व का अधिकार मिलने से परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत हुई है। योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक अधिकारियों, ग्राम पंचायतों और विकास एजेंसियों की सक्रिय भूमिका रही।

सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने की योगी सरकार की प्रतिबद्धता इस उपलब्धि से साफ झलकती है। मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के साथ–साथ राज्य सरकार की इस पहल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल दिया। मकान निर्माण के दौरान स्थानीय मजदूरों, ठेकेदारों और सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को रोजगार मिला, जिससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं। अमानीगंज विकासखंड के एक लाभार्थी सुरेश रावत ने बताया पहले बारिश में छत टपकती थी, बच्चे बीमार रहते थे। अब पक्का मकान मिल गया है। बच्चों को पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल मिला है। योगी जी का बहुत–बहुत धन्यवाद। सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि अयोध्या में ग्रामीण आवास अभियान विकास की नई इबारत लिख रहा है। यह न केवल आवास उपलब्ध करा रहा है, बल्कि गरीबों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि का संचार कर रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे।

ममता के साथ अभद्रता पर चुप रही भाजपा रागिनी सोनकर

-बंगाल में भाजपा की जीत पर सपा विधायक ने बोला हमला

अयोध्या। जौनपुर के मछलीशहर से सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर अयोध्या में पीडीए महा पंचायत कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिला वंदन की बात करने वाली भाजपा, काउंटिंग रूम में ममता बनर्जी के साथ हुई अभद्रता पर चुप रही। तीन बार की मुख्यमंत्री ममता ने जब पीड़ा बताई तो देश की महिलाएं आहत हुईं। लोकतंत्र में हार–जीत होती है, लेकिन इसका जवाब महिलाएं भाजपा को जरूर देंगी। रागिनी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनते ही कार्यकर्ता टीएमसी कार्यालय जला रहे हैं, तोड़फोड़ कर रहे हैं जो उनकी नकारात्मक राजनीति दिखाता है। 2027 विधानसभा चुनाव पर बोलीं, 2024 लोकसभा की तरह जनता खुद चुनाव लड़ेगी। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और पीडीए की सपा सरकार बनेगी। महिला आरक्षण पर भाजपा को घेरते हुए कहा कि भाजपा काम में जीरो और बातों में हीरो है। यूपी में बेटियों पर वारदात के वक्त सीएम–डिप्टी सीएम कहां थे? इनकी विधायक जलने पर भी कोई अस्पताल नहीं गया, जबकि अखिलेश यादव ने हालचाल लिया। राम मंदिर दर्शन के सवाल पर सीधा जवाब नहीं दिया। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के बनवाए केदारेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगे। आस्था दिखावे का नहीं, घर का विषय है। देश संविधान से चलता है, हिंदू–मुसलमान से नहीं।बता दे कि यह कार्यक्रम सपा जिला उपाध्यक्ष औरौनी प्रसाद पासवान और पार्षद ज्ञासमती के आयोजन में माता दासी की आठवीं पुण्यतिथि और माता–पिता की मूर्ति अनावरण पर हुआ था। इस अवसर पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव प्रदेश सचिव छोटे लाल यादव हाजी फिरोज खान गब्बर महिला जिला अध्यक्ष सरोज यादव महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल बाबूराम गौड बृजेश सिंह चौहान सीताराम यादव सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता वार्ड की जनता मौजूद रहे।

सुबह टहलने निकले बुजुर्ग पर हमला, फायरिंग का आरोप

अयोध्या। थाना महाराजगंज क्षेत्र में सुबह टहलने निकले एक बुजुर्ग पर हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने हमलावरों पर फायरिंग करने का भी आरोप लगाया है। घायल बुजुर्ग का इलाज दर्शननगर स्थित मंडलीय चिकित्सालय में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, तुलसीराम का पुरवा पिलखावां निवासी महेश तिवारी शनिवार सुबह टहलने निकले थे। आरोप है कि गांव के ही विनोद तिवारी, उनके पुत्र श्रेयांश तिवारी व अन्य लोगों ने रास्ते में रोककर मारपीट की। परिवार का कहना है कि हमले में महेश तिवारी के दोनों हाथ टूट गए तथा सिर में गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों के मुताबिक, घटना के दौरान आरोपियों ने फायरिंग भी की और मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस घायल को सीएचसी पूरा बाजार ले गई, जहां से उन्हें मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि 27 अप्रैल को ही पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों को ऑनलाइन शिकायत देकर जान का खतरा बताया गया था, लेकिन समय रहते कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

50 हजार का इनामी आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरतार

श्रावस्ती । थाना इकौना क्षेत्रांतर्गत सेमगढ़ा क्षेत्र में पुलिस पार्टी एवं एक अभियुक्त के मध्य मुठभेड़ हुई है। सूचना पर तत्काल थाना पुलिस, आसपास के थानों की पुलिस, क्षेत्राधिकारी एवं 'पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि थाना इकौना क्षेत्र में हुई आधा दर्जन से अधिक चोरी नकबजनी की घटनाओं में 'वांछित अभियुक्त संजय लोनिया,जो जनपद सीतापुर,' का निवासी है।अभियुक्त पर विभिन्न थानों में 30 से अधिक चोरीध नकबजनी के अभियोग पंजी.त हैं। उक्त अभियुक्त थाना इकौना क्षेत्र में भी कई चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहा है तथा सेमगढ़ा क्षेत्र में किराये का कमरा लेकर रह रहा था। अभियुक्त पर 50,000 का पुरस्कार घोषित था।' पुलिस टीम द्वारा गिरतारी का प्रयास किए जाने पर अभियुक्त द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लगी। घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार हेतु सीएचसी इकौना भेजा गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सप्ताह भर से ट्रांसफार्मर पर गिरा पेड़, व्यस्त सड़क पर हादसों का खतरा

–बिजली विभाग बेखबर, शहीद शशांक तिवारी के घर के मोड़ पर बना जानलेवा हालात

मिल्कीपुर–अयोध्या। हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के मिल्कीपुर–खजुराहट संपर्क मार्ग पर डेहरियावां गांव के पास बिजली विभाग की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। बीते सात दिनों से शहीद कीर्ति चक्र विजेता शहीद शशांक तिवारी के घर के मोड़ पर ट्रांसफॉर्मर पर पेड़ गिरा हुआ है, लेकिन विभाग ने अब तक न तो पेड़ हटाने की जहमत उठाई और न ही विद्युत आपूर्ति बहाल की। यह मार्ग क्षेत्र की अत्यंत व्यस्त सड़कों में शुमार है, जहां दिनभर राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। सड़क पर गिरे पेड़ और क्षतिग्रस्त ट्रांसफॉर्मर के कारण आए दिन छोटे–बड़े हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई बार शिकायत के बावजूद बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि अंधेरे और अवरोध के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग पूरी तरह उदासीन बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मार्ग से पेड़ हटवाने, ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत कराने और बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। लोगों ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मड़ना गांव हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। थाना महाराजगंज क्षेत्र के मड़ना गांव में सोमवार रात हुए युवक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल भी बरामद किया है। पुलिस टीम ने गोसाईगंज क्षेत्र के महबूबगंज स्थित शेरवाघाट मार्ग से आरोपी रोहित कुमार यादव (28) व विनोद कुमार यादव (30) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी मड़ना गांव के लायक का पुरवा के निवासी हैं। गांव निवासी विनय यादव की सोमवार रात करीब 8 बजे कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि घटना से पहले वह पड़ोसी गांव लायक का पुरवा निवासी रोहित यादव व अन्य के साथ शराब पी रहा था, इसी दौरान विवाद हो गया। बाद में रोहित यादव अपने भाई विनोद यादव के साथ नशे की हालत में विनय के घर पहुंचा, जहां कहासुनी के बाद रोहित ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विनय को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याएं

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित 'जनता दर्शन' के दौरान आमजन की शिकायतों व समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान 'जमीनी विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद व पैसे के लेन–देन एवं अन्य प्रकार के प्रकरणों' से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। प्रत्येक प्रकरण पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को 'शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण' के निर्देश दिए गए। जनता दर्शन के माध्यम से पुलिस प्रशासन और आमजन के मध्य संवाद स्थापित कर त्वरित न्याय की भावना को सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

×षि विश्वविद्यालय में खरीफ के बीजों की बिक्री शुरू

–कुलपति ने नारियल फोड़कर किया बीज विक्रय केंद्र का उद्घाटन

अयोध्या।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय परिसर स्थित बीज विक्रय केंद्र का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डा. पी.एस प्रमाणिक ने नारियल फोड़कर किया। इस केंद्र का उद्घाटन होने के बाद से किसान उचित दर में बीज प्राप्त कर सकेंगे। बीजों की बिक्री के लिए कृषि निदेशालय उत्तर प्रदेश के द्वारा विक्रय मूल्य निर्धारित कर दिया गया है। कुलपति डा. पी.एस प्रमाणिक ने गोदामों में जाकर बीज के भंडारण को देखा और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय एवं उचित मूल्य पर बीज विक्रय करने का निर्देश दिया। कुलपति ने कहा कि बीज विक्रय के कार्यों के लिए निर्धारित समय सुनिश्चित करें जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। कृषि निदेशालय की तरफ से किसानों के लिए फुटकर दर निर्धारित कर दिया गया है। मोटे धान की सभी प्रजातियां 5021 रुपये प्रति कुंतल, पतले धान की सभी प्रजातियां 5050 रुपये प्रति कुंतल, बासमती धान की समस्त प्रजातियां 6503 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित की गईं हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन डा. सुशांत श्रीवास्तव, कुलपति के सचिव डा. जसवंत सिंह, संयुक्त बीज निदेशक डा. उमेश चंद्रा, इंजीनियर ओमप्रकाश, प्रक्षेत्र प्रभारी डा. ऋषभ सिंह, प्रक्षेत्र अधीक्षक अनिल कुमार, चंद्रभान पांडेय, शुभम सिंह, राममूर्ति यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

छात्राओं ने 'कूल वेव कॉर्नर' के माध्यम से दिखाई उद्यमिता की मिसाल

अयोध्या, ।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग के अंतर्गत संचालित "उद्यमिता विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन" पाठ्यक्रम के तहत इंस्ट्रक्टर डॉ. प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा "कूल वेव कॉर्नर" नाम से एक कैन्टीन का सफल संचालन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि डॉ. प्रतिभा सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ पूनम सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ साधना सिंह ने छात्राओं के उत्साह और लगन से प्रशिक्षण में प्रतिभाग के लिए सराहना किया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पानी फुल्का, वेजिटेबल चीज, मोमोज, चुकंदर लस्सी, मोजिटो तथा कॉर्न चाट प्रमुख रहे। इस गतिविधि के माध्यम से छात्राओं ने खाद्य निर्माण, प्रस्तुति, विपणन, ग्राहक प्रबंधन एवं टीम वर्क जैसी व्यावहारिक उद्यमिता कौशल का प्रदर्शन किया। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में उद्यमिता की भावना विकसित करना, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा व्यवसाय प्रबंधन के व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाना है। "कूल वेव कॉर्नर" जैसी पहलें उन्हें वास्तविक व्यावसायिक अनुभव प्रदान करती हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास एवं कौशल दोनों विकसित होते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य फैकल्टी सदस्यों ने भी सहभागिता कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की।

चलाया गया जन जागरूकता अभियान

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' के कुशल निर्देशन में जनपद श्रावस्ती में 'मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सु.ढ़ करने हेतु व्यापक एवं सतत जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 'थाना मल्हीपुर की मिशन शक्ति टीम व जनपद की शक्ति मोबाइल टीम' द्वारा विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध सहायता सेवाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही चौपाल एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें '"शक्ति दीदी"' के रूप में सशक्त बनने एवं निर्भीक होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया गया। साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु महिलाओं को 'ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं सोशल मीडिया फ्रॉड' से सतर्क रहने की सलाह दी गई। उन्हें 'ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने' एवं किसी भी आपात स्थिति में 'हेल्पलाइन नंबर 1930' पर तत्काल सूचना देने के लिए जागरूक किया गया।

कार्य शुरू करने से पहले लगाए खनिज निधि का शिलापट्ट : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की बैठक कैम्प कार्यालय में संपन्न हुई डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की धनराशि से जो भी कार्य कराए जा रहे हैं उन कार्यों में कार्य शुरू करने के समय खनिज निधि का शिलापट्ट अवश्य लगाया जाए। जब भी कार्य शुरू करें तो इसका शिलान्यास भी कराएं। सोशल मीडिया पर भी कार्यों को अपलोड कराकर प्रचार प्रसार कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विभागीय विकास कार्य जो भी विभागों द्वारा कराया जा रहा है उसको भी सोशल मीडिया में अवश्य डलवाए ताकि अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जा सके। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि डीएमएफ की बैठक के पहले टीवी मरीजों के उपचार के लिए क्या कर सकते हैं उसका भी प्रस्ताव बनाया जाए। जिलाधिकारी में वाचनालय का निर्माण, मिलेट्स कैंटीन, केजीबीवी मऊ, राजकीय पुस्तकालय में इंटरलॉकिंग, स्पोर्ट स्टेडियम के कार्य, दरसेडा, चांदी, नादिन कुर्मियान, उपरौली, सेमरिया आदि ग्रामों में जो गौशाला में भूसा घर, बाउंड्रीवॉल, टीन शेड, विद्युतीकरण के जो कार्य कराए जाने हैं उसको तत्काल कराया जाए, जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय में लेबर रूम वेटिंग रूम का टेंडर कराए जाने के निर्देश अवर अभियंता साडा को दिए तथा कहा की सिलाई केंद्र जो ग्राम पंचायत में बनाया जाना है उसकी सूची जिला पंचायत राज अधिकारी उपलब्ध कराए ताकि भूमि चिन्हित कर व्यवस्था कराई जा सके राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी के सौन्दर्यीकरण कार्य का भी प्रस्ताव अवर अभियंता साडा तैयार करें जिला विद्यालय निरीक्षक व प्रधानाचार्य से एक पत्र भी कार्य को कराने के लिए लिया जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी से कहा कि नये आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण को शासन को पत्र भेजा जाए। भूमि के लिए उप जिलाधिकारियों को भी पत्राचार करें तथा साडा से वार्ता करके संशोधित प्रस्ताव भेजा जाए। बेड़ग स्केल मशीन के लिए ग्राम पंचायत से क्रय कराया जाए। इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी को सूची उपलब्ध कराई जाए, उपनिदेशक .षि से कहा कि .षि दूत का जो चयन कराया जा रहा है उसका प्रचार प्रसार सोशल मीडिया पर कराया जाए। जिला खनिज अधिकारी से कहा कि जिन विभागों को कार्यों को कराने के लिए धनराशि की स्वी.ति की गई है,उनको स्वी.ति पत्र अवश्य भेजा जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि संस्थागत प्रसव बढ़ाए जाने के लिए जो भी कार्य कराए जाने हैं उसका प्रस्ताव भेजें। मर्चरी की सुविधाओं के लिए भी प्रस्ताव बनाएं। नई पीएससी, सीएचसी के निर्माण के लिए भी शासन को पत्राचार करें।

बगदरा घाटी में बारातियों से भरी बस पलटी, 23 घायल, तीन की हालत गंभीर

चित्रकूट। जिले के बगदरा घाटी में बुधवार को सड़क हादसा हो गया। बारातियों से भरी बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार करीब 23 लोग घायल हो गए। जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही मझगवां और चित्रकूट थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस क्रमांक एमपी17पी0516 बारात लेकर घाटी क्षेत्र से गुजर रही थी। तभी अचानक बस की कमानी टूट गई। तकनीकी खराबी के चलते चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस घाटी में पलट गई। हादसा इतना तेज था कि बस में बैठे यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मझगवां और चित्रकूट पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए जानकीकुंड अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार तीन घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और बस में सवार यात्रियों से पूछताछ की जा रही है। ताकि हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में बस की तकनीकी खराबी को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। फिलहाल प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

एसपी ने की नवनियुक्त रिक्रूट आरक्षियों के व्यवहारिक प्रशिक्षण की समीक्षा

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने थाना पहाड़ी में नवनियुक्त रिक्रूट आरक्षियों के व्यवहारिक प्रशिक्षण की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। इस दौरान रिक्रूट आरक्षियों से सीधे संवाद कर प्रशिक्षण की स्थिति, व्यावहारिक ज्ञान, कानून व्यवस्था, जनसंपर्क, ड्यूटी आचरण एवं क्षेत्रीय परिचय के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सभी थानों पर नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में रखा जा रहा है। थाना स्तर पर गश्त, जांच, प्राथमिकी लेखन, विपक्षी, शिकायतकर्ता से व्यवहार, कानून की धाराओं का व्यावहारिक ज्ञान आदि विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान आरक्षियों की कमियों एवं कठिनाइयों को चिन्हित कर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने सख्त हिदायत दी कि प्रशिक्षण केवल औपचारिक न हो, बल्कि वास्तविक क्षेत्रीय अनुभव प्रदान करने वाला हो। प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी को नवनियुक्त रिक्रूट आरक्षियों के नियमित मूल्यांकन एवं रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए। कहा कि नवनियुक्त आरक्षी जनपद के भविष्य की मजबूत कड़ी हैं। इसलिए उनका प्रशिक्षण गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक एवं अनुशासनपूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महुआ का पेड़ गिरने से दबकर किसान की मौत

चित्रकूट। आम के बगीचे में रखवाली करने वाले किसान की घर आते समय अचानक तूफान आने से गिरे पेड़ की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।ये घटना भरतकूप थाना क्षेत्र के मऊ ब गांव में बीती शाम हुई। मृतक के भतीजे दिनेश ने बताया कि चाचा रामबहोरी (61) पुत्र गयादीन आम के बगीचे की रखवाली करने के बाद शाम को घर आ रहा था। तभी तेज आंधी व बारिश के बीच उसके ऊपर महुआ का पेड़ गिर गया। जिसके नीचे दबने से मौत हो गई। बताया कि देर रात तक वापस न आने पर खोजबीन किया। कुछ पता नहीं चला। सवेरे पता चला कि महुआ के पेड़ के नीचे मृत अवस्था में दबे है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के चार पुत्री, एक पुत्र है। पत्नी की पहले ही मृत्यु हो चुकी है।

कथा व्यास महेंद्र शास्त्री ने पूतना वध, माखन चोरी की सुनाई कथा

चित्रकूट। मानिकपुर के वाल्मीकि नगर पश्चिमी में पं. स्व. राजधर मिश्र की प्रथम पुण्यतिथि पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस कथा व्यास महेंद्र शास्त्री ने श्री.ष्ण की बाल लीलाओं व गोवर्धन पूजा का वर्णन किया। पूतना वध, माखन चोरी, उलूखल बंधन प्रसंग सुनाए। कथा व्यास ने बताया कि .ष्ण ने इंद्र का अहंकार तोड़ने को गोवर्धन पूजा कराई और कनिष्ठा पर पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। इसके बाद इंद्र ने क्षमा मांगी और .ष्ण का नाम गोविंद पड़ा। मुख्य यजमान विनोद मिश्रा व विमला देवी, कमलेश मिश्रा, पालन चतुर्वेदी, प्रशांत करवरिया, मोहित मिश्रा समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।इसी प्रकार सदर ब्लॉक के बिहारा स्थित बरगदीपुरवा मजरे में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास विकास शुक्ला ने सुदामा चरित्र व श्री.ष्ण–सुदामा की मित्रता का वर्णन किया। बताया कि सच्ची मित्रता में प्रेम व समर्पण ही सर्वोपरि है। श्रद्धालु भावविभोर होकर कथा रस में डूबे रहे।

जिला कारागार का प्राधिकरण सचिव ने औचक निरीक्षण

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश के निर्देशन पर बुधवार को प्राधिकरण की सचिव इला चौधरी ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। साथ ही तम्बाकू निषेध एवं नशा उन्मूलन विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर बन्दियों को जागरूक किया गया निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण सचिव ने बैरक नम्बर 13, 21, 22 तथा महिला बैरक का निरीक्षण कर बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। यहां बन्दियों द्वारा समस्याओं से अवगत कराए जाने पर उन्होंने जेल अधीक्षक को समस्याओं के निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार प्राधिकरण सचिव ने जिला कारागार में संचालित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर अनुरक्षित समस्त पंजिकाओं का अवलोकन किया। जिनमें प्रवृष्टियां नियमानुसार अंकित पायी गयी। उन्होंने क्लीनिक में नियुक्त पैरालीगल वालेण्टियर्स को निर्देशित किया कि यदि कोई बन्दी अपने मुकदमे की पैरवी के लिए व्यक्तिगत अधिवक्ता करने में अक्षम है, तो अधीक्षक जिला कारागार के माध्यम से नियमानुसार पत्राचार करते हुए बन्दी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मुकदमें की पैरवी के लिए अधिवक्ता प्राप्त करा सकते है। इसके साथ ही प्राधिकरण सचिव ने जेल में निरुद्ध बन्दियों के परिजनों को निःशुल्क विधिक परामर्श व वादों से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने के लिए जेल परिसर में स्थापित किए गए लीगल हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया। इसी क्रम में जिला कारागार में बन्दियों के मध्य तम्बाकू निषेध एवं नशा उन्मूलन विषय पर आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में प्राधिकरण सचिव ने कहा कि तम्बाकू व तम्बाकू से बने उत्पादों का सेवन बंदियों व उनके परिवार, दोस्तों और पूरे समाज के लिए बेहद खतरनाक है। बताया कि युवाओं में ई–सिगरेट के सेवन का बढ़ता जुनून, निकोटीन की लत, गंभीर फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग और हृदय गति में वृद्धि जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है। उन्होंने नालसा द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की भी जानकारी। लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल चीफ गया प्रसाद निषाद व डिप्टी चीफ चन्द्रपाल ने बताया कि नशे के सेवन से व्यक्ति समाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है। लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सहायक योगेन्द्र सिंह ने तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने तथा सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान निषेध के बारे में विस्तार से बताया तथा अधिनियम के उलंघन पर दण्ड एवं जुर्माने के बारे जानकारी प्रदान की गयी। इस मौके पर जिला कारागार अधीक्षक कुश कुमार सिंह, जेलर सुनील कुमार वर्मा, उपकारापाल गुलाब सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

ई-रिक्शा पलटा, किशोरी की मृत्यु, छह घायल

चित्रकूट। परिवार के साथ बुआ के यहां शादी समारोह में जाते समय किशोरी की ई–रिक्शा पलटने से मृत्यु हो गई। जबकि आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। ये दुर्घटना कोतवाली कर्वी क्षेत्र के रगौली जेल के समीप बीती शाम हुई। बताया गया कि कोतवाली कर्वी के खोह गांव निवासी रोशनी (14) पुत्री राजू रैदास अपनी मां विद्या देवी, दादा राज नारायण, चाचा शिवलाल, बड़ी बहन लक्ष्मी, छोटी बहन शिवानी, भई विपिन व अनुज के साथ ई–रिक्शा में बैठकर बुआ की लड़की की शादी में बन्ना गढ़वारा गांव जा रहे थे। तभी अचानक अनियंत्रित होकर रगौली मोड़ के पास ई–रिक्शा पलट गया। घटना से चीखपुकार मच गई। आनन फानन घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टरों ने रोशनी को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का उपचार चल रहा है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतका कक्षा नौ की छात्रा थी।

जिलाधिकारी ने एक करोड़ से अधिक लागत वाली लम्बित परियोजनाओ की समीक्षा कर प्रगति के बारे में ली जानकारी

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में एक करोड़ से अधिक लागत वाली लम्बित परियोजनाओ की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओ की समय सीमा व गुणवत्ता का विशेष ध्यान दे यदि गुण्वत्ता खराब पाई जाती है तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। राजकीय इंजीनियरिंग कालेज की समीक्षा में बताया गया कि 75 प्रतिशत धनराशि प्राप्त हो गई शेष धनराशि के मांग हेतु पत्राचार किया गया, जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समय सीमा अन्दर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। नर्सिंग कालेज के बारे में बताया गया कि कार्य फिनिशिंग का कार्य चल रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि हैण्डओवर तभी लिया जाए जब कार्यदायी संस्था द्वारा शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करा लिया गया हो। मेडिकल कालेज में मल्टी पर्पज हाल के निर्माण के बारे में बताया गया कि साउंड आदि के टेस्टिंग आदि का कार्य किया जा रहा है शीघ्र ही हैण्डओवर कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद जितने भी लम्बित परियोजनाएं चल रही है सभी परियोजनाओ की अद्यतन स्थिति से सम्बन्धित प्रत्येक सप्ताह कार्यदायी संस्था से रिपोर्ट प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यदि साप्ताहिक रिपोर्ट में प्रगति न हो तो सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को कार्य में प्रगति लाने हेतु निर्देशित करते करे। उन्होंने कहा कि जिन विभाग से परियोजनाओ का निर्माण हो रहा है वे अधिकारी उसका समय–समय पर निरीक्षण भी करते रहें। अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर के अन्दर जितने भी हर घर जल योजनान्तर्गत सड़के खोदी गई है उन्हें दुरुस्त कराएं। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका से समन्वय स्थापित कर सड़क मरम्मतीकरण का कार्य पूर्ण कराएं। जल जीवन मिशन ग्रामीण को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन एजेंसियो द्वारा कार्य पूर्ण बताया जा रहा है और हर घर जल योजनान्तर्गत सभी घरो में पानी पहुंच रहा है इसकी अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण इसका निरीक्षण करे यदि घरो में पानी नही जा रहा है कार्यदायी संस्था पर कार्यवाही करें।

'इसका सीधा असर अब खरीफ की खेती पर पड़ता दिख रहा है, मौसम और कृषि विशेषज्ञों ने जताई चिंता

लालगंज, मीरजापुर। अप्रैल और मई में हो रही असमय वर्षा ने मौसम के स्वाभाविक दबाव संतुलन को बिगाड़ दिया है। जिसका सीधा असर अब खरीफ की खेती पर पड़ता दिख रहा है। प्रयागराज स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय पीजी कॉलेज के भूगोल विभाग के प्रोफेसर डॉ अरुण कुमार अग्रवाल ने पत्रकारों से टेलीफोन वार्ता में बताया कि बार–बार हो रही वर्षा के कारण निम्न वायु दाब बनने की प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित हुई है। जिससे मानसून के आगमन में देरी की आशंका बन गई है। उन्होंने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश में मानसून की शुरुआत 15 से 20 जून के बीच मानी जाती है। इस दौरान भारत के पश्चिमोत्तर हिस्से में मजबूत निम्न वायु दाब का क्षेत्र विकसित होता है, जो समुद्र से नमी से भरी हवाओं को अपनी ओर खींचता है। यह प्रक्रिया सूर्य के उत्तरायण होने और भारतीय धरातल के अत्यधिक तपने के कारण धीरे–धीरे आगे बढ़ती है और जून माह में अपने चरम पर पहुंचती है। डॉ अग्रवाल के अनुसार इस वर्ष अप्रैल और मई में लगातार हो रही वर्षा ने तापमान की निरंतर वृद्धि को बाधित कर दिया। इससे जमीन पर बनने वाले निम्न वायु दाब की उत्तरोत्तर वृद्धि प्रभावित हुई है। जब निम्न दाब मजबूत नहीं बन पाता तो समुद्री हवाओं का प्रवाह भी कमजोर पड़ जाता है, जिससे मानसून की गति धीमी हो जाती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में हो रही वर्षा को मानसून नहीं माना जा सकता बल्कि यह दबाव प्रणाली में हो रहे अस्थायी बदलावों का परिणाम है। ऐसे में अभी खरीफ फसलों की बुवाई करना जोखिम भरा हो सकता है। क्योंकि स्थिर नमी का अभाव बना हुआ है।क्षेत्र के किसानों का कहना है कि मौसम के इस बदलते स्वरूप ने खेती की तैयारियों को प्रभावित कर दिया है। धान की बुवाई को लेकर असमंजस बना हुआ है जबकि बार–बार हो रही वर्षा से खेतों की तैयारी भी प्रभावित हो रही है।

विक्षिप्त युवक की सड़क हादसे में मौत

चित्रकूट। घर से निकले युवक की दुर्घटना में मौत हो गई। घटना से परिजनों में शोक छा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।ये हादसा राजापुर थाना क्षेत्र के चिल्लीमल रोड़ पर बीती रात हुआ। बताया गया कि रवि (35) पुत्र टुनटुन सोनकर दीमागी रूप से कमजोर था। रात्रि 12 बजे अचानक घर से निकल गया। दुर्घटना में मौत होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने शव की शिनाख्त की है। घटना से परिजनों में शोक छा गया। मृतक की मां कोइली देवी ने बताया कि पति की पहले ही लकवा से मौत हो गई थी। दो बच्चों की भी मौत हो गई है। एक पुत्र साधू बन गया है।

वाहन की टक्कर से बालक घायल

चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र के भौरी गांव निवासी दुर्गा प्रसाद का आठ वर्षीय पुत्र दशरथ मौसी के यहां सुरौंधा गांव गया था। सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में उपचार दिया गया है।

जनपद न्यायधीश व डीएम ने बाल संरक्षण गृह का किया आकस्मिक निरीक्षण

मीरजापुर। जनपद न्यायधीश अरविन्द कुमार मिश्र ।। व जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने आज मोर्चाघर स्थित जिला बाल संरक्षण गृह पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। जनपद न्यायधीश व जिलाधिकारी द्वारा कक्षवार यथा–कार्यालय, स्टोर, खेल, म्यूजिक कक्ष, भोजनालय, शौचालय आदि का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायधीन द्वारा मुख्य विकास अधिकारी से अपेक्षा की गई कि बाल संरक्षण गृह में टेबल टेनिस लगवाने हेतु कहा गया, जिस पर उनके द्वारा तत्काल खेल अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर लगवाने हेतु निर्देशित किया। जनपद न्यायधीश द्वारा पर्यवेक्षण गृह में आवासित विधि विवादित किशोरों से बात चीत कर उन्हे दी जा रही स्वास्थ्य शिक्षा, दैनिक आहार, व्यवहारिक प्रशिक्षण, खेल कूद आदि मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आवासित किशोरों को भोजन तालिका, मीनू के अनुसार भोजन समय से उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मुकेश कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि समय–समय पर परीक्षण शिविर लगाकर किशोरों की जांच भी कराई जाए। इस दौरान जनपद न्यायधीश, जिलाधिकारी द्वारा पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया, अध्यापकों द्वारा किशोरो को पढ़ाया जा रहा था वहां पर पहुंचकर किशोरो वार्ता की गई एवं उनके द्वारा बनाई गई पेंटिंग, चित्र को दिखाया गया जनपद न्यायधीश, जिलाधिकारी उसकी प्रशंसा की गई। जिलाधिकारी द्वारा किशोरो से दाखिले के बारे में पूछा गया तो किशोरो द्वारा बताया गया दाखिला हो गया है।

मड़िहान तहसील में दबंगई कर दिव्यांग व्यक्तिपर हमला, सरकारी कामकाज हुआ बाधित

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान तहसील परिसर में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब एक व्यक्ति ने कथित रूप से कार्यालय में घुसकर दिव्यांग फरियादी और उसके भाई के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की कोशिश की। मामले को लेकर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम रामपुर अतरी थाना संतनगर निवासी ओम नारायण तिवारी ने आरोप लगाया है कि वह अपने मुकदमें की पैरवी के सिलसिले में 5 मई 2026 को अपने भाई सुभाष चंद्र तिवारी के साथ एसडीएम मड़िहान के कार्यालय में मौजूद थे। उसी दौरान गांव के ही पंकज सिंह पटेल अचानक कार्यालय में घुस आया और गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए मारपीट की कोशिश की, जिससे वहां मौजूद लोगों में भय और अफरा–तफरी का माहौल बन गया तथा कुछ देर के लिए सरकारी कामकाज भी बाधित हो गया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने किसी तरह स्थिति को संभालते हुए आरोपी को बाहर निकाला। ओम नारायण तिवारी ने अपने प्रार्थना पत्र में आरोपी को अभ्यस्त अपराधी और भू–माफिया बताते हुए आरोप लगाया है कि वह सरकारी भूमि पर भी अवैध कब्जा किए हुए है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से शिकायत की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

डीएम ने निर्माण एवं विकास कार्यो का किया निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने जनपद में विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट से रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय तक बॉपास मार्ग का निर्माण कार्य में अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि प्रस्तावित मार्ग की कुल लंबाई लगभग 4.500 किमी है। जिसके संरेखण में पैंयनी नदी पर दीर्घ सेतु का निर्माण अपेक्षित है। डीएम ने निर्देशित किया कि प्रस्ताव को धर्मार्थ योजनान्तर्गत सम्मिलित किया जाए। इस मार्ग के निर्माण से मुख्यालय से रामघाट तक आवागमन सुगम एवं सीधा हो सकेगा। खोही से लक्ष्मण पहाड़ी मार्ग के नवनिर्माण की स्वी.ति धर्मार्थ योजना के अंतर्गत प्राप्त है। निरीक्षण में पाया गया कि मार्ग का संपूर्ण संरेखण आरक्षित वन क्षेत्र से आच्छादित है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वन विभाग से समन्वय स्थापित कर अनापत्ति की संभावना का परीक्षण किया जाए। यदि अनापत्ति प्राप्त होना संभव न हो तो कार्य को निरस्त करते हुए लगभग 0.140 किमी लंबाई के वैकल्पिक मार्ग को कार्य योजना में सम्मिलित किया जाए। खोही पर्यटन सुविधा केंद्र से रामायण दर्शन परिक्रमा मार्ग तक सड़क निर्माण की स्वी.ति धर्मार्थ योजना के अंतर्गत प्राप्त है। मार्ग के संरेखण में लगभग 0.235 किमी भाग आरक्षित वन क्षेत्र में आता है। डीएम ने निर्देशित किया कि वन विभाग से समन्वय स्थापित कर अनापत्ति प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र सुनिश्चित की जाए।

संदिग्धावस्था में पुलिया किनारे रस्सी से बंधी महिला मिली, पुलिस ने कहा मामला संदिग्ध

मीरजापुर। जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में गरेरी–धौरहा मार्ग पर गरेरी गांव के सामने सड़क किनारे पुलिया के पास बुधवार की भोर में चार बजे के करीब एक 40 वर्षीय महिला का रस्सी से हाथ पैर बंधा और उसी के दुपट्टे से पूरा मुंह भी बंधा हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। महिला के शरीर से पेट्रोल की दुर्गंध भी आ रही थी। जिससे कयास लगाया जा रहा है कि उसको जलाने का भी प्रयास किया गया था। संयोग अच्छा रहा कि बारात से वापस लौट रहे कुछ ग्रामीणों की नजर सड़क किनारे पड़ी महिला पर पड़ गई। जिन्होंने उसे बंधन से मुक्त कराते हुए पुलिस को सूचना दे दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची राजगढ़ पुलिस महिला को थाने लाकर विधिक कार्यवाई में जुटी हुई रही है। महिला की पहचान चुनार थाना क्षेत्र के दीक्षितपुर गांव निवासी सरिता सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह 30 अप्रैल को अपने घर से निकली थी। एक सप्ताह बाद राजगढ़ थाना क्षेत्र के गरेरी गांव में अबूझ हाल में बंधी हुई मिलने से तरह तरह–तरह की चर्चा हो रही है। वहीं

अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन ने जानकारी देते हुए बताया है कि 4 मई 2026 को निर्मला देवी पत्नी स्वर्गीय हंसनारायण सिंह निवासिनी बगही थाना चुनार द्वारा एक तहरीर थाना अदलहाट पर दी गयी, जिसमें बताया गया कि उनकी पुत्री सरिता सिंह घर से गयी है और अभी तक वापस नहीं आयी है। इस सम्बन्ध में थाना अदलहाट पर गुमशुदगी दर्ज की गयी तथा जांच टीम गठित कर सर्विलांस के माध्यम से जांच की जा रही थी। जांच के दौरान आज 6 मई को सरिता सिंह को थाना राजगढ़ क्षेत्र से बरामद किया गया है।

सघन टीबी रोगी खोजी अभियान के तहत आयोजित हुआ शिविर

मीरजापुर। टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोजी अभियान के तहत बुधवार को विकास खण्ड लालगंज के सोनवर्षा गांव में स्वास्थ्य विभाग लालगंज ने शिविर लगाकर ग्रामीणों में हाई रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्स रे मशीन से स्क्रीनिंग कर मरीजों का पहचान कर निः शुल्क इलाज से जोड़ा जा रहा है।

शिविर में क्षेत्र के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शमीम अहमद ने आशा और प्रधान के सहयोग से गांव के लोगों को टीबी के बारे में जागरूक किया तथा सरकारी निः शुल्क सुविधाओं के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए लक्षण और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 32 मरीजों का एक्स–रे किया गया। शिविर में शमीम अहमद, सुजीत कुमार मिश्रा, अजीत कुमार सिंह, आशा निशा देवी, मोतीलाल पटेल, महेन्द्र पटेल आदि लोग मौजूद रहें।

रोड़वेज बस के संचालन से मिलेगी राहत

चित्रकूट। महावीर फाउंडेशन ट्रस्ट ने ग्राम पंचायत भैंसौंधा में बस संचालन किया। जिसका श्रेय स्व विक्रम सिंह के परिवहन मंत्री दयाशंकर से निवेदन पर हुआ। दानवीर विक्रम सिंह को क्षेत्रवासी हमेशा याद रखेंगें। बस बांदा से बबेरू ओरन मुंगीपुरवा ग्राम पंचायत भैंसौंधा से शिवरामपुर, चित्रकूट फिर वापसी कर्वी से शिवरामपुर ग्राम पंचायत भैंसौंधा से ओरन बबेरू बांदा तक जाएगी। इस मौके पर महावीर फाउंडेशन ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. वीरेंद्र, नरेश उर्फ राजू भैया ओर बांदा एआरएम, टीसी मोनू पांडेय, चालक अनिल सिंह, परिचालक स्नेहलता, दयाराम यादव, रामचंद्र आदि मौजूद रहे।

सोना एक हफ्ते में एक हजार रुपए और चांदी तीन हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

नई दिल्ली । सोने और चांदी में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशरू एक हजार रुपए और 3 हजार रुपए से अधिक सस्ते हो गए हैं।इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,216 रुपए कम होकर 1,50,263 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,51,479 रुपए पर था।22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,37,641 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,38,755 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,12,697 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,13,609 रुपए प्रति 10 ग्राम था।इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 29 अप्रैल को 1,47,973 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 27 अप्रैल को 1,51,186 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।चांदी का दाम 3,494 रुपए कम होकर 2,40,331 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,43,828 रुपए प्रति किलो था।इस हफ्ते चांदी में सबसे न्यूनतम दाम 29 अप्रैल को 2,36,300 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 27 अप्रैल को 2,43,720 रुपए प्रति किलो देखा गया।वैश्विक अस्थिरता के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम कम होकर 4,585 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 74 डॉलर प्रति औंस के करीब आ गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह फेड की ओर महंगाई बढ़ने के संकेत देना और सख्त टिप्पणी करना है, जिससे इस साल ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है।इसके अलावा उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों के लगातार ऊपरी स्तर पर बने रहने के कारण सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

ट्रंप ने यूरोपीय संघ की कारों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया, व्यापार समझौते का पालन नहीं करने का आरोप

वॉशिंगटन ।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने यूरोपीय संघ से आने वाली कारों और ट्रकों पर टैरिफ बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया है। ट्रंप ने यूरोपीय संघ पर मौजूदा व्यापार समझौते का पालन नहीं करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी अनिश्चितता जताई। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हमने यूरोपीय संघ से आने वाली कारों पर टैरिफ बढ़ाया, क्योंकि यूरोपीय संघ हमारे व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा था।उन्होंने कहा, मैंने कारों और ट्रकों पर टैरिफ 25 प्रतिशत कर दिया है। इससे अमेरिका को अरबों डॉलर मिलेंगे और इससे कंपनियों पर अपनी फैक्ट्रियां जल्दी अमेरिका लाने का दबाव बनेगा।ट्रंप ने कहा कि फैसले का मकसद कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने के लिए मजबूर करना है। इस समय अमेरिका में 100 अरब डॉलर से ज्यादा के कार प्लांट बन रहे हैं। यह एक रिकॉर्ड है। हमने पहले कभी ऐसा नहीं देखा। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा और मेक्सिको से हो रहे निवेश का भी जिक्र किया।ईरान पर ट्रंप ने कहा कि बातचीत जारी है, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मैं अभी संतुष्ट नहीं हूं। देखते हैं क्या होता है। ईरान की नेतृत्व व्यवस्था बिखरी हुई है। वे सभी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन वे खुद बिखरे हुए हैं।उन्होंने ईरान नेतृत्व को बेहद असंगठित बताया। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता काफी कमजोर हो चुकी है। ईरान के पास न नौसेना है, न वायुसेना। उसका नेतृत्व ठीक से काम नहीं कर पा रहा।ट्रंप ने कहा कि वह कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देते हैं। क्या हम जाकर उस पर हमला कर दें और हमेशा के लिए खत्म कर दें, या फिर समझौते की कोशिश करें? इंसानियत के आधार पर मैं पहला रास्ता नहीं चुनना चाहूंगा।ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई के लिए कांग्रेस की मंजूरी न लेने के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि ऐसी मंजूरी पहले कभी नहीं ली गई और इसे पूरी तरह असंवैधानिक माना जाता है।घरेलू मोर्चे पर ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया। उन्होंने कहा, शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है। आज अमेरिका में जितने लोग काम कर रहे हैं, उतने पहले कभी नहीं थे।उन्होंने माना कि ईंधन की कीमतें अभी ऊंची हैं, लेकिन कहा कि तनाव कम होते ही ये घटेंगी। जब युद्ध खत्म होगा, तो पेट्रोल की कीमतें गिर जाएंगी। फिहाल बड़ी मात्रा में तेल प्रमुख समुद्री मार्गों से नहीं गुजर पा रहा है।ट्रंप ने आर्थिक फैसलों में अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति दोहराई। स्पिरिट एयरलाइंस को संभावित मदद के सवाल पर उन्होंने कहा, हम नौकरियां बचाना चाहते हैं, लेकिन तभी जब सौदा अच्छा हो।उन्होंने पाकिस्तान को लेकर भी कहा कि उन्हें पाकिस्तान के लिए बहुत सम्मान है और वहां का नेतृत्व क्षेत्रीय मामलों में हमारे साथ काम कर रहा है।ट्रंप ने चीन की भविष्य में यात्रा की भी पुष्टि की और उसे एक शानदार कार्यक्रम बताया।

एक दशक में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या में करीब 12,000 गुना उछाल:सरकार

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने बताया कि भारत के प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने पिछले एक दशक में लेनदेन की मात्रा में लगभग 12,000 गुना की असाधारण वृद्धि दर्ज की है।11 अप्रैल, 2016 को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रेगुलेटरी देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा लॉन्च किया गया यूपीआई, भारत के डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम की रीढ़ बन गया है।मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2016–17 में सिर्फ 2 करोड़ ट्रांजैक्शन के मामूली आधार से बढ़कर, इस प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 2025–26 में 24,162 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए।वैल्यू के मामले में भी, यूपीआई का उभार उतना ही शानदार रहा है। ट्रांजैक्शन की वैल्यू ऑपरेशन के पहले साल में 0.07 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025–26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपए हो गई, जो 4,000 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी है।

वॉल्यूम और वैल्यू, दोनों में यह दोहरा विस्तार इस बात को दिखाता है कि यह प्लेटफॉर्म न सिर्फ छोटे रिटेल पेमेंट्स के लिए, बल्कि ज्यादा वैल्यू वाले ट्रांजैक्शन के लिए भी कितना ज्यादा जरूरी होता जा रहा है।सरकारी आकलन के अनुसार, यूपीआई के पैमाने, इंटरऑपरेबिलिटी और भरोसे ने भारत को डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में एक ग्लोबल लीडर के तौर पर स्थापित किया है।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने यूपीआई को ट्रांजैक्शन वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी रियल–टाइम पेमेंट सिस्टम के तौर पर मान्यता दी है, जिससे ग्लोबल फिनटेक परिदृश्य में भारत की स्थिति और मजबूत हुई है।साल 2025 यूपीआई के विकास के सफर में एक अहम मोड़ साबित हुआ, जब पहली बार मासिक ट्रांजैक्शन वॉल्यूम 2,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया।

अगस्त 2025 में, ट्रांजैक्शन 2,001 करोड़ तक पहुंच गए, और यह रफ्तार पूरे साल जारी रही, जिसका नतीजा दिसंबर में 2,163 करोड़ ट्रांजैक्शन के रिकॉर्ड के प में सामने आया।कुल मिलाकर, यूपीआई ने कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान लगभग 22,000 करोड़ ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए, जिनका औसत लगभग 60 करोड़ ट्रांजैक्शन प्रतिदिन रहा। यह यूजर्स के बीच इसकी गहरी पहुंच और व्यापक भरोसे का एक संकेत है।

संस्थागत भागीदारी में भी काफी विस्तार हुआ है। यूपीआई नेटवर्क पर लाइव बैंकों की संख्या वित्त वर्ष 2016–17 में 44 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025–26 तक 703 हो गई है, जिसमें पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, पेमेंट बैंक और कोऑपरेटिव बैंक शामिल हैं। इस व्यापक भागीदारी से भौगोलिक पहुंच और गहरी हुई है और प्लेटफॉर्म की सुलभता मजबूत हुई है।

डेटा के रुझान इस्तेमाल के तरीकों में एक साफ अंतर दिखाते हैं। कुल लेन–देन की मात्रा में पर्सन–टू–मर्चेंट (पी2एम) लेन–देन की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत है, जिसकी मुख्य वजह ज्यादा बार होने वाले, कम कीमत वाले खुदरा भुगतान हैं।

खास बात यह है कि इनमें से 86 प्रतिशत लेन–देन 500 रुपए से कम के हैं। दूसरी ओर, पर्सन–टू–पर्सन (पी2पी) लेन–देन का कुल लेन–देन के मूल्य में 71 प्रतिशत योगदान है।

आईपीएल 2026 टाप पर पहुंचने के लिए उतरेगी आरसीबी क्या अपने घर में एलएसजी करेगी कोई बड़ा उलटफेर?

आईपीएल 2026 के 50वें मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा, जिसमें आरसीबी का पलड़ा भारी है क्योंकि उसने 7 में से 5 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। बेंगलुरु के बीच 7 मैच खेले जा चुके हैं। इन 7 मैचों में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने 5 बार जीत हासिल की है, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 बार जीत दर्ज की है। आरसीबी की टीम को एक सप्ताह के विश्राम का मौका मिला है और उसकी टीम इस मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में अधिक तरोताजा होकर उतरेगी। जहां तक एलएसजी का सवाल है तो

अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश में जुटी आरसीबी के सामने लगातार हार से जूझ रही लखनऊ की टीम होगी, जो जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी। मौजूदा आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 के 50वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की मेजबानी करेगी। दोनों टीमें 7 मई को लखनऊ के एकाना स्टेडियम में आमने–सामने होंगी। यह मुकाबला नजदीक ही है और दोनों टीमें इसमें शानदार प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। यह दिलचस्प है कि जहां लखनऊ सुपर जायंट्स टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष कर रही है, वहीं रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंचने की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है। लखनऊ सुपर जायंट्स अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, जबकि आरसीबी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। आज रात की जीत का मतलब होगा कि आरसीबी अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगी। सनराइजर्स हैदराबाद की तुलना में आरसीबी का नेट रन रेट बेहतर है और वह अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। गौरतलब है कि आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चौलेंजर्स आरसीबी फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, लेकिन उसके चार अन्य टीमों के समान 12 अंक हैं। उसकी टीम को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स से चार विकेट से मिली हार को भूलकर जल्द से जल्द वापसी करनी होगी। गुजरात के खिलाफ उस मैच में आरसीबी की बल्लेबाजी नाटकीय रूप से धराशायी हो गई थी। एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 79 रन था जो जल्द ही छह विकेट पर 96 रन हो गया और आखिर में उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। आरसीबी के बल्लेबाज भले ही इस मैच में लड़खड़ा गए थे लेकिन वह दमदार वापसी करने में सक्षम हैं। उसके बल्लेबाजों ने अब तक आक्रामक खेल दिखाया है और लखनऊ के खिलाफ भी वह इसे जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 379 रन बनाए हैं, वहीं देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नियमित सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के उंगली में चोट के कारण बाहर होने से कोहली के साथ विस्फोटक शुरुआत देने की जिम्मेदारी जैकब बेथेल पर होगी। उसका प्रदर्शन अभी तक निराशाजनक रहा है। वह पिछले छह मैचों में हार झेलने के कारण अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। इस बीच उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ टाई रहे मैच में सुपर ओवर में भी हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ सुपर जाइंट्सरू अब्दुल समद, आयुष बडोनी, एडेन मार्कराम, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, ऋषभ पंत (कप्तान), निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, मयंक यादव, आवेश खान, मोहसिन खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, आकाश सिंह, मोहम्मद शमी, अर्जुन तेंदुलकर, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नॉर्टजे, मुकुल चौधरी, नमन तिवारी, अक्षत। रघुवंशी, जोश इंग्लिस रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरुरू रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, यश दयाल, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, रसिख सलाम, अभिनंदन सिंह, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, सात्विक देसवाल, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान

2000 रुपए के नोटों की वापसी की घोषणा के बाद से 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं :आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि 2000 रुपए के 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। यह आंकड़ा नोटों को चलन से हटाने की घोषणा के लगभग तीन साल बाद सामने आया है।केंद्रीय बैंक ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए के नोटों को चलन से हटाने का फैसला लिया था, जो उसकी मुद्रा प्रबंधन प्रक्रिया का हिस्सा था।उस समय इन नोटों की कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपए थी। लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, यह घटकर 30 अप्रैल 2026 तक सिर्फ 5,451 करोड़ रुपए रह गई है।आरबीआई ने कहा, 19 मई 2023 को जब 2000 रुपए के नोट वापस लेने की घोषणा की गई थी, तब इनकी कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपए थी, जो अब घटकर 5,451 करोड़ रुपए रह गई है।आरबीआई ने अपने बयान में कहा, इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में मौजूद 2000 रुपए के 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं।नोटों को वापसी लेने की घोषणा के बाद से देश भर में आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में 2000 रुपए के नोट बदलने की सुविधा दी गई है।9 अक्टूबर 2023 से इन ऑफिसों में इन नोटों को बैंक खाते में जमा करने की सुविधा भी शुरू कर दी गई थी।केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि लोग अब भी देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से इंडिया पोस्ट के जरिए 2000 रुपए के नोट आरबीआई के इश्यू ऑफिस में भेज सकते हैं, ताकि उन्हें उनके बैंक खाते में जमा किया जा सके।आरबीआई ने कहा, 9 अक्टूबर 2023 से आरबीआई के इश्यू ऑफिस में व्यक्ति और संस्थाएं 2000 रुपए के नोट अपने बैंक खाते में जमा कर सकते हैं।केंद्रीय बैंक ने आगे कहा कि इसके अलावा, लोग देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से इंडिया पोस्ट के जरिए 2000 रुपए के नोट आरबीआई के किसी भी इश्यू ऑफिस में भेजकर अपने खाते में जमा करा रहे हैं।

आर अश्विन ने बताई पंजाब किग की सबसे बड़ी कमजोरी, युवा अपरेशन की अब होगी अग्निपरीक्षा

आईपीएल में लगातार तीन हार के बाद पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाजों के खराब फॉर्म पर आर अश्विन ने अपनी राय दी है। अश्विन ने अपने विश्लेषण में कहा कि प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य को टीमों की बॉडी–लाइन गेंदबाजी की रणनीति का सामना करने के लिए अपनी तकनीक में सुधार करना होगा, जो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आगामी मैच में महत्वपूर्ण होगा।आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 के मौजूदा सीजन में पंजाब किंग्स मुश्किल में है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली इस टीम ने ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया था और टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भी उनका खेल बेहतरीन रहा था। हालांकि, लगातार तीन हार के बाद वे दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 236 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने क्रमशः एक और तीन रन बनाए। ऐसे प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने एक दिलचस्प टिप्पणी की।अश्विन ने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज खराब फॉर्म से कैसे उबरते हैं, और यह आगामी मैचों में पंजाब किंग्स के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर एक वीडियो में कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि प्रभसिमरन और प्रियांश आर्य संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सभी टीमों ने उन्हें शरीर पर गेंद डालने की योजना बनाई है। कोई भी उन्हें स्टंप्स पर मारने की कोशिश तक नहीं कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रियांश को यह तय करना होगा कि गेंद कितनी भी छोटी

क्यों न हो, थोड़ा स्पेस बनाकर उसे अभिषेक शर्मा की तरह बाएं हाथ से खेलना है। मैं देखना चाहता हूं कि ये दोनों युवा खिलाड़ी इस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रियांश आर्य के सामने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुल शॉट खेलने वाला गेंदबाज, यानी रिकी पोंटिंग है। वह रणनीतिक रूप से खेल सकता है। पंजाब किंग्स की बात करें तो लगातार तीन हार के बाद अब उनका अगला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। टूर्नामेंट के 55वें मैच में दोनों टीमें 11 मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में आमने–सामने होंगी। दिल्ली कैपिटल्स की फॉर्म को देखते हुए पंजाब किंग्स से इस मुकाबले में जीत की उम्मीद की जा रही है।

सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन ने आईपीएल में गेंदबाजों के लिए विस्तृत रणनीति

सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन ने आईपीएल में गेंदबाजों के लिए विस्तृत रणनीति की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें बल्लेबाजों की कमजोरियों का विश्लेषण महत्वपूर्ण है। उन्होंने पैट कमिंस द्वारा पंजाब किंग्स के खिलाफ बनाई गई सफल योजना का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे गहरी समझ से मैच का रुख बदला जा सकता है। सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन ने कहा कि आईपीएल में गेंदबाजों को बल्लेबाजों के आक्रामकता से रन बनाने के तरीकों की गहरी समझ होनी चाहिये।

कैच नहीं, मैच छोड़ा! एचआरएस से हार के बाद अपनी ही टीम पर फूटा रीकी पोटिंग का गुस्सा

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पंजाब किंग्स की हार का मुख्य कारण उनकी खराब फील्डिंग रही, जिसे कोच रिकी पोंटिंग ने श्एक तरह का वायरसश बताया। शशांक सिंह द्वारा छोड़े गए कैचों और टीम की अनुशासनहीनता ने हैदराबाद को 235 का विशाल स्कोर बनाने में मदद की, जो अंततः पंजाब की हार का कारण बना।बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स पर शानदार 33 रनों की जीत के साथ आईपीएल 2026 तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हेनरिक क्लासेन और ईशान किशन ने बल्लेबाजी में धमाकेदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच की मुख्य बात पंजाब की खराब फील्डिंग रही। मेहमान टीम ने तीन आसान कैच छोड़ दिए, जिससे हैदराबाद 235 रन बनाकर 4 विकेट के नुकसान पर एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रही।हैदराबाद की सपाट पिच पर पंजाब किंग्स ने अनुशासनहीनता का पूरा प्रदर्शन किया। किशन–क्लासेन की जोड़ी ने तीन बार कैच छोड़े, और उप–कप्तान ईशान किशन प्रभसिमरन सिंह द्वारा गंवाए गए एक आसान स्टंपिंग के मौके से बच गए। हेनरिक क्लासेन ने अपनी शानदार निरंतरता जारी रखते हुए 43 गेंदों में 69 रन बनाए, जबकि ईशान किशन ने 32 गेंदों में 55 रन बनाए। बल्लेबाजों के लिए बेहद मुश्किल पिच पर ये मौके गंवाना बेहद निराशाजनक साबित हुआ।अनुभवी युजवेंद्र चहल को उनके साथियों ने निराश कर दिया। शशांक सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन दोनों ने उनकी गेंदबाजी पर आसान कैच छोड़ दिए, जिससे स्पिनर काफी परेशान और गुस्से में दिखे। मैच के दौरान कोच रिकी पोंटिंग ने जियोस्टार से कहा कि यह हमारे लिए एक तरह का अभिशाप बन गया है। हमने इस सीजन में बहुत सारे कैच छोड़े हैं। पोंटिंग ने विशेष रूप से चोट से वापसी कर रहे शशांक सिंह के संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने अपनी टीम को मैच गंवाने के लिए स्टेडियम की रोशनी को जिम्मेदार ठहराने से इनकार कर दिया।मैच के बीच में हुई बातचीत के दौरान दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि मैं कोई बहाना नहीं बनाऊंगा। जब ऐसा कैच मिले, तो उसे पकड़ना ही चाहिए। मध्य क्रम के आक्रामक बल्लेबाजी से पहले, अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड ने पारी की नींव रखी। अभिषेक ने मात्र 13 गेंदों में 35 रन बनाकर स्कोर को एक ऐसे विशाल स्कोर की ओर अग्रसर किया जिसमें सत्रह छक्के शामिल थे। नीतीश रेड्डी ने भी 29 रन की छोटी लेकिन नाबाद पारी खेलकर स्कोर को मजबूती प्रदान की। पंजाब के मुख्य गेंदबाज, मार्को जानसेन और अर्शदीप सिंह, संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने मिलकर 104 रन लुटा दिए।

आज के लिए नहीं बल्कि, भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं : अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं।

अनन्या कहती हैं, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं।

अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें। उन्होंने कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।

उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी।

यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शार्ट्स और टाप में रुहानिका धवन ने ढाया कहर, दिए कातिलाना पोज, वायरल हुई तस्वीरें

टीवी शो ये हैं मोहब्बते में दिव्यांकी त्रिपाठी की ऑन स्क्रीन बेटी बन रूही के किरदार से रुहानिका धवन ने खूब सुर्खियां बटोरी. अब वो पहले से काफी बड़ी हो गई हैं. वो सोशल मीडिया पर अपने लुक्स को लेकर छाई रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपनी कई ग्लैमरस फोटोज शेयर की है.

रुहानिका धवन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. फैंस उनकी हर एक नई पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. फोटोज में वो काफी स्टाइलिश लुक में नजर आई. लुक की बात करें तो उन्होंने डेनिम शॉर्ट्स और व्हाइट क्रॉप टॉप पहना है. खुले बाल और मिनिमल मेकअप में रुहानिका धवन काफी खूबसूरत लग रही हैं.

लव इंश्योरेंस कंपनी की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 10 मई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी प्रदीप रंगनाथन की फिल्म

प्रदीप रंगनाथन और कृति शेट्टी की फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये अपना जादू नहीं चला पाई. अब फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की ओटीटी की रिलीज डेट कंफर्म हो गई है. चलिए जानते हैं ये फिल्म कब और कहां स्ट्रीम होगी.लव इंश्योरेंस कंपनी की ओटीटी रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और अब फाइनली इसकी डिजीटल डेब्यू की कंफर्म रिलीज डेट आ गई है. बता दें कि लव इंश्योरेंस कंपनी 6 मई, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी. इस फिल्म को आप तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देख सकते हैं. मेकर्स ने अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, जब बात ओल्ड स्कूल और मॉडर्न रूल्स की हो, तो जाहिर है कि इसकी कीमत भी काफी ज्यादा होती है.लव इंश्योरेंस कंपनी में योगी बाबू, एस.जे. सूर्या, सीमान, गौरी किशन, शाह रा और मालविका शामिल जैसे एक्टर्स भी हैं. फिल्म के डायरेक्टर विग्नेश शिवन हैं. बता दें कि लव इंश्योरेंस कंपनी की कहानी साल 2040 के भविष्य पर आधारित है, जहां एक ऐप के जरिए प्यार और रिश्तों का इंश्योरेंस किया जाता है. बीते दिन रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर को काफी पसंद किया गया. रिपोर्ट के अनुसार, लव इंश्योरेंस कंपनी ने बॉक्स ऑफिस पर 42.57 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इसके बजट 95 करोड़ रुपये है।

इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 का ऐलान, अपराध का खात्मा करने लौटेंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा की सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश का पहला सीजन 2023 में जियोहॉटस्टार पर रिलीज हुआ था, जिसे लोगों द्वारा काफी पसंद किया गया। इसकी अपार सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने इसके सीजन का ऐलान कर दिया है। साथ में टीजर भी आया है। पुलिस वाले बनकर रणदीप एक बार फिर वापसी करते दिखाई देंगे। बता दें, जियो स्टूडियोज, नीरज पाठक और कृष्ण चौधरी द्वारा निर्मित यह सीरीज 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश की कठोर पृष्ठभूमि पर आधारित है।

40 सेकेंड का टीजर जबरदस्त एक्शन से भरपूर और रोमांचक प्रतीत होता है। विस्फोटक टकरा और बढ़ते खतरे के एहसास के साथ, टीजर एक ऐसी कहानी को दिखाने का संकेत देता है, जिसमें दांव बड़े हैं, लड़ाइयां मुश्किल हैं और रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं है। सीरीज में उर्वशी रौतेला, अमित सियाल, रजनीश दुग्गल, अभिमन्यु सिंह, शालीन भनोट और फ्रेडी दारूवाला भी हैं। नीरज पाठक द्वारा निर्देशित इस सीरीज की रिलीज तारीख का ऐलान होना अभी बाकी है।

एवलिन शर्मा का पांच साल बाद टूटा वैवाहिक बंधन

बॉलीवुड एक्ट्रेस एवलिन कई सारी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और उनकी फैन फॉलोइंग भी तगड़ी है। एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ को लेकर अब एक दुखद खबर सामने आई है। दरअसल एवलिन शर्मा का उनके एंटरप्रेन्योर पति तुशान भिंडी के साथ तलाक हो गया है। दोनों की ये शादी 5 सालों तक चली। एवलिन और तुशान ने साल 2021 में शादी की थी और अब 5 साल में ही उनका तलाक हो रहा है। उनके पति इंडो–ऑस्ट्रेलिया डेंटल सर्जन थे और एंटरप्रेन्योर थे जिस संग एक्ट्रेस ने साल 2019 में ही सगाई कर ली थी। इस शादी से एवलिन शर्मा को दो बच्चे भी हैं जिनके साथ की फोटोज वे सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा– हम लोग अलग हो रहे हैं लेकिन हम दोनों मिलकर अपने बच्चों की परवरिश करते रहेंगे। हम यकीन दिलाते हैं कि हमारा ये अलगाव भी सफलतापूर्ण रहेगा और हमें पूरी उम्मीद है कि हमारी निजता का भी सम्मान किया जाएगा। एवलिन शर्मा की बात करें तो उनका जन्म साल 1986 में जर्मनी में हुआ था। उन्होंने साल 2006 में टर्न लेफ्ट फिल्म के जरिए अपने हॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी।

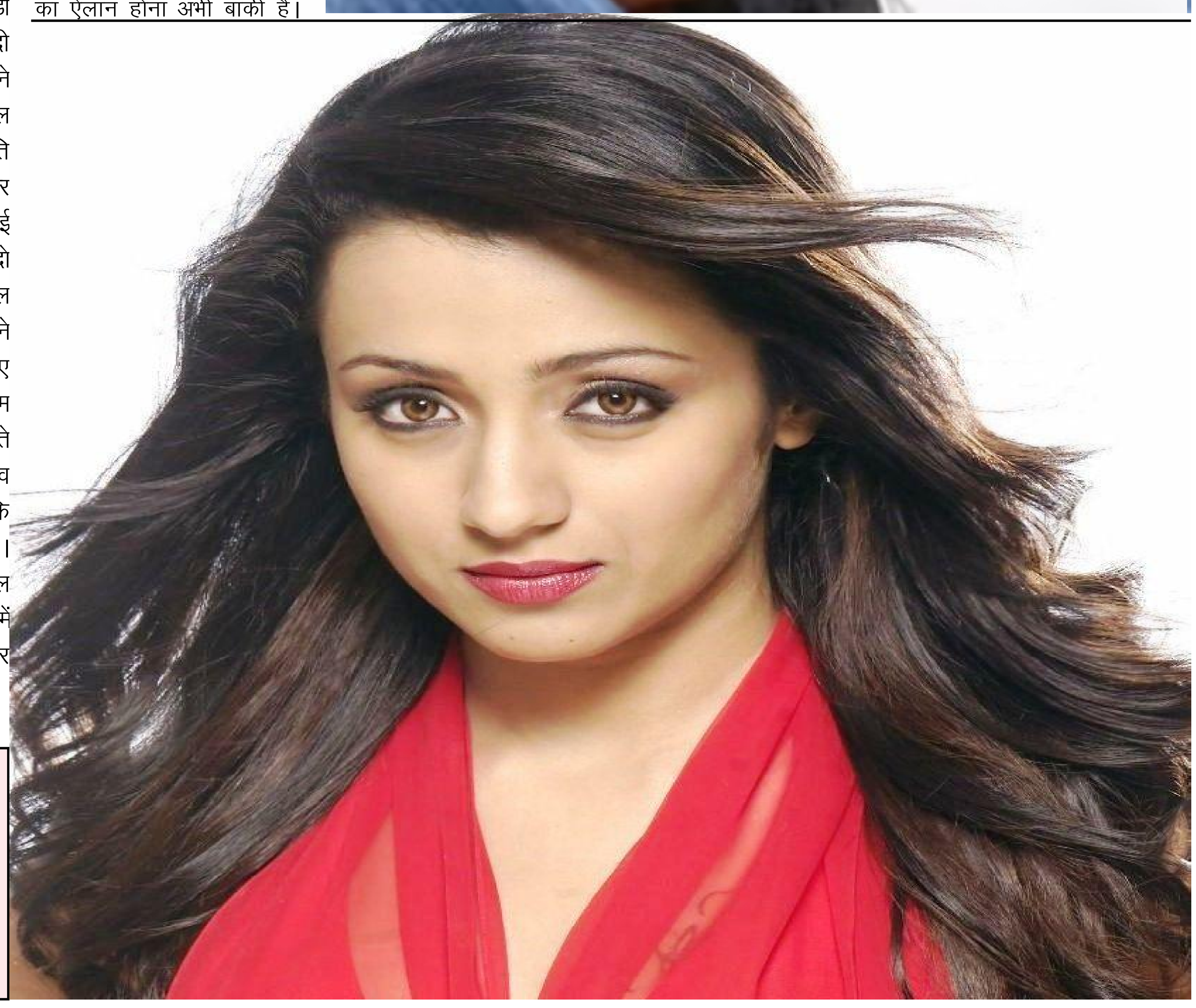

तृषा कृष्णन बनना चाहती थीं साइकोलाजिस्ट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई बड़े नाम हैं, लेकिन एक एक्ट्रेस ऐसी भी हैं जिन्होंने खूबसूरती, टैलेंट और मेहनत के दम पर अलग ही पहचान बनाई है। दिलचस्प बात ये है कि फिल्मों में आने से पहले उनका सपना कुछ और था। वो एक्टिंग नहीं बल्कि क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट बनना चाहती थीं। लेकिन किस्मत ने ऐसा मोड़ लिया कि आज वो साउथ सिनेमा की सबसे पॉपुलर और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेज में शामिल हैं। हाल के दिनों में ये अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं। यहां बात हो रही है तृषा कृष्णन की, जिन्होंने चेन्नई में पढ़ाई पूरी करने के बाद बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की। इसी दौरान उन्होंने मॉडलिंग में कदम रखा और कई विज्ञापनों में नजर आईं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।